RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:261 ता. 13 अप्रेल 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अब जलती-चुभती गर्मी के दिन, दिल्ली में चलने वाली है लू; पारा होगा 40 के पार

बारिश और बादलों की मार्च तो कूल-कूल बीत गया। अप्रैल के 10 दिन भी अधिक गर्मी वाले नहीं रहे। लेकिन अब मौसम तेजी से गर्म होने वाला है। अधिकतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की तेजी आई है।

नई दिल्ली। बारिश और बादलों की मार्च तो कूल-कूल बीत गया। अप्रैल के 10 दिन भी अधिक गर्मी वाले नहीं रहे। लेकिन अब मौसम तेजी से गर्म होने वाला है। मंगलवार को अधिकतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की तेजी आई है। लेकिन यह तो महज शुरुआत है, जल्द ही तापमान 40 के आसपास पहुंचने वाला है। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि 15 अप्रैल से 31 मई के बीच लू भी चलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान से आ रही सूखी और धूल भरी हवाओं ने वायु की गुणवत्ता को %खराब% श्रेणी में ला दिया है। अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जोकि इस साल का अधिकतम स्तर है। इससे पहले सोमवार को पारा 34.9 डिग्री तक पहुंचा था। न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि हुई है। मंगलवार को यह 116.6 डिग्री रहा जब कि एक दिन पहले 15.7 डिग्री दर्ज किया गया था। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, %तापमान में धीरे-धीरे तेजी आएगी। अगले तीन दिन में यह 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।% बुधवार को तापमान 18 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। शुक्रवार तक वायु गुणवत्ता भी खराब रह सकती है।

राजस्थान को पहली वंदे भारत मिली

पीएम नरेन्द्र मोदी ने दिखाई झंडी, पीएम बोले- गहलोत जी राजनीतिक संकट में हैं, फिर भी वे यहां आए

जयपुर। राजस्थान की पहली वंदे भारत ट्रेन जयपुर से सुबह करीब 11.30 बजे दिल्ली कैंट के लिए रवाना हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली इस सेमी हाईस्पीड ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। देश की 15वीं वंदे भारत का रेग्यूलर संचालन 13 अप्रैल से अजमेर से दिल्ली कैंट के बीच किया जाएगा। इसके लिए आईआरसीटीसी ने आज से बुकिंग स्टार्ट कर दी है। वंदे भारत के उद्घाटन के दौरान मोदी ने पहले की सरकारों पर रेलवे के राजनीतिकरण का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि जब लोगों को स्थायी सरकार मिली, उसके बाद रेलवे में तेजी से बदलाव शुरू हुए। मोदी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर चुटकी लेते हुए कहा कि वे इन दिनों राजनीतिक आपाधापी में हैं, राजनीतिक संकटों से गुजर रहे हैं फिर भी समय निकालकर कार्यक्रम में पहुंचे। पीएम ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन से जयपुर, दिल्ली आना-जाना आसान हो जाएगा। यह ट्रेन राजस्थान की टूरिज्म को भी मदद करेगी। पुष्कर और अजमेर शरीफ आस्था के स्थल तक पहुंचने में लोगों को आसानी होगी। बीते दो महीनों में ये छठी वंदे भारत ट्रेन है, जिसे हरी झंडी दिखाई गई। वहीं, कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जल्द ही देशभर में स्लीपर वंदे भारत ट्रेन भी चलाई जाएंगी।

विपक्ष पर साधा निशाना

मोदी ने कहा कि पहले राजनीतिक स्वार्थ ही तय करता था कब कौनसी ट्रेन चलेगी। कौन रेलमंत्री बनेगा? हालत ये थी रेलवे की भर्तियों में भी भ्रष्टाचार होता था। गरीब लोगों की जमीन छीनकर उन्हें नौकरियों का झांसा दिया गया।

सब कुछ नजरअंदाज कर दिया गया, लेकिन जब देश के लोगों ने स्थिर सरकार बनवाई तब ये स्थितियां बदलीं। जब राजनीतिक दबाव हटा तो रेलवे ने भी चैन की सांस ली। आज हर भारतीय रेलवे का कायाकल्प होते देख गर्व महसूस करता है।

ये देश की पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन

प्रधानमंत्री ने कहा कि तेज रफ्तार से लेकर खूबसूरत डिजाइन तक वंदे भारत संपन्न है। देशभर में ट्रेन का गौरव गान हो रहा है। वंदे भारत ने कई नई शुरुआत की है। वंदे भारत पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन है, जो मेड इन इंडिया है। यह कॉम्पेक्ट और एफिशेंट है, स्वदेसी सेफ्टी सिस्टम से लैस है। आज यह ट्रेन भारत को विकसित यात्रा की ओर ले जाएगी। हमारा देश का दुर्भाग्य रहा। रेलवे जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था को भी राजनीति का अखाड़ा बना दिया गया। आजादी के बाद भारत को बड़ा रेलवे नेटवर्क मिला था, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ हावी रहा। जब से आधुनिक ट्रेनें शुरू हुई तब से 60 लाख लोग इन ट्रेनों में सफर कर चुके हैं। तेज रफ्तार वंदे भारत की ख़ासियत है कि समय बचा रही है। देशभर में चल रहीं वंदे भारत ट्रेनें लोगों के ढाई हजार घंटे बचाए हैं। ये घंटे लोगों को अन्य कार्यों के लिए यूज हो रहे हैं। इससे पहले जयपुर जंक्शन पर हो रहे कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आजादी के बाद ये पहला मौका है जब देश का रेलमंत्री राजस्थान से है। उन्होंने कहा कि ये खुशी की बात है इसलिए मैं उनसे अपील करता हूं कि बांसवाड़ा, टोंक, करौली जिलों को रेल नेटवर्क से जल्दी से जल्दी जोड़ा जाए। इससे पहले सुबह करीब दस बजे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जयपुर जंक्शन पहुंचे। वे ट्रेन में जयपुर से दिल्ली तक सफर करेंगे। जयपुर जंक्शन पर रेल मंत्री के साथ नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, सांसद कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ सहित कांग्रेस-भाजपा के दूसरे नेता भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के लिए जयपुर के स्टेशन को सजाया भी गया है। इससे पहले मंगलवार को वंदे भारत ट्रेन का शेड्यूल जारी हो गया। 13 अप्रैल से इस ट्रेन में आम लोग सफर कर पाएंगे। अजमेर से जयपुर होते हुए दिल्ली कैंट तक जाने वाली यह ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी। अजमेर से दिल्ली 5 घंटे और जयपुर से दिल्ली के लिए 4 घंटे का समय लगेगा।

दिल्ली कैंट तक जाएगी-उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया- 13 अप्रैल से गाड़ी 20977 अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस अजमेर से सुबह 6ः20 बजे रवाना होकर दिल्ली कैंट 11.35 बजे पहुंचेगी। बीच में जयपुर, अलवर और गुड़गांव (गुरुग्राम) में ठहराव दिया गया है। जयपुर में 5 मिनट, अजमेर-गुड़गांव में क्रमशः दो-दो मिनट का ठहराव दिया गया है।

पीएम रोजगार मेला

प्रधानमंत्री मोदी आज 71 हजार युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को रोजगार मेला के तहत 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। ये नियुक्तियां देश के विभिन्न मंत्रालयों में होंगी। केंद्र सरकार ने इस वर्ष 10 लाख युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 71,000 नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इन युवाओं को संबोधित भी करेंगे। रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च

प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उम्मीद है कि रोजगार मेला आगे रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। देशभर से चुनी गई नई भर्तियां भारत सरकार के तहत विभिन्न पदों पर ज्वाइन करेंगी। इनमें ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, सीनियर कमर्शियल कम टिकट क्लर्क, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, जूनियर अकाउंटेंट, पोस्टल असिस्टेंट, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स असिस्टेंट, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जेई/सुपरवाइजर, असिस्टेंट प्रोफेसर, टीचर, लाइब्रेरियन, नर्स, परिवीक्षाधीन अधिकारी, पीए, एमटीएस आदि शामिल हैं। नए भर्ती किए गए लोगों को कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नई नियुक्तियों के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है।

अमूल दूध के बाद अब गुजराती मिर्च से लाल हुई कर्नाटक की राजनीति

बेंगलुरु। कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुना के लिए वोट डाल जाएंगे। इससे पहले प्रदेश की राजनीति में अमूल दूध और नंदिनी की कई सियासी धाराएं बह रही हैं। पक्ष और विपक्ष के द्वारा इस मुद्दे को खूब उछाला जा रहा है। यह सिसायी लड़ाई अब दूध से आगे बढ़कर मिर्च पर जा अटकी है। एशिया के सबसे बड़े मिर्च बाजारों में से एक ब्यादगी में गुजराती मिर्च पुष्पा की चर्चा इन दिनों काफी चर्चा हो रही है। इसे लाली के नाम से भी जाना जाता है।

सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में ब्यादगी बाजार में कम से कम 20,000 क्विंटल गुजरात मिर्च बेची गई है। पुष्पा मिर्च स्थानीय किस्मों की तुलना में अधिक लाल दिखती है। हालांकि अपनी लाली को

● **यह सिसायी लड़ाई अब दूध से आगे बढ़कर मिर्च पर जा अटकी है। एशिया के सबसे बड़े मिर्च बाजारों में से एक ब्यादगी में गुजराती मिर्च पुष्पा की चर्चा इन दिनों काफी चर्चा हो रही है। इसे लाली के नाम से भी जाना जाता है।**

बहुत लंबे समय तक बरकरार नहीं रख पाती है। ब्यादगी बाजार के सूत्रों का कहना है कि कम से कम 70 मिर्च विक्रेताओं ने बाजार के पास अलग-अलग कोल्ड स्टोरेज में गुजराती मिर्च जमा कर रखी है।

रानीबेन्नु तालुक के एक किसान रमन्ना सुदांबी का कहना है, डब्बी और कड्डी किस्म की मिर्च के कारण ब्यादगी बाजार ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। ब्यादगी के मिर्च दुनिया के कई देशों में जाते हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्थानीय मिर्चों की प्रतिष्ठा खतरे में न पड़े। आपको बता दें कि डब्बी और कड्डी की पैदावार कर्नाटक में होती है।

एपीएमसी, ब्यादगी के अतिरिक्त निदेशक और सचिव एचवाई सतीश ने बताया, इस सीजन में गुजराती मिर्च की आपूर्ति लगातार बढ़ रही है। एपीएमसी अधिनियम में संशोधन के बाद खरीदार देश में कहीं से भी कृषि उपज खरीद सकते हैं। इसके लिए बाजार समिति से अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। ऐसे में एपीएमसी को सीमित करना मुश्किल होगा। पुष्पा को ब्यादगी मिर्च बाजार के लिए खतरे के रूप में नहीं देखा जा सकता है, क्योंकि डब्बी और कड्डी ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में गोलीबारी, 4 की मौत

लोगों से घरों में रहने की अपील

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में गोलीबारी की खबर है। बुधवार को हुई इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई है। सेना के दक्षिण पश्चिम कमान ने यह जानकारी दी है। फिलहाल, इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और तलाशी अभियान जारी है। बताया गया है कि यह घटना अल सुबह 4:35 बजे हुई। खबर है कि लोगों के सुरक्षा के मद्देनजर घर में रहने के लिए कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आज के लिए स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। फिलहाल, पुलिस ने आतंकवादी घटना से इनकार किया है। आशंका जताई जा

रही है कि आपसी गोलीबारी के चलते इतनी बड़ी घटना हुई है। फिलहाल, जांच चल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, आशंकाएं जताई जा रही हैं कि हमलावर सादे कपड़ों में था और कुछ दिन पहले ही इंसास रायफल गायब हुई थी। घटना के बाद से ही क्षेत्र में तनाव है और स्टेशन को सील कर दिया है। इधर पुलिस सेना की तरफ से मंजूरी नहीं मिलने के चलते स्टेशन के अंदर नहीं जा पाई है।

Sl.	No. and Name of Legislative Assembly		Name of Candidate
100.	125	Chikmagalur	Shri C T Ravi
101.	126	Tarikere	Shri D S Suresh
102.	127	Kadur	Shri K S Prakash
103.	128	Chikkanayakanahalli	Shri J.C. Madhuswamy
104.	129	Tiptur	Shri B.C. Nagesh
105.	130	Turuvekere	Shri Masala Jayaram
106.	131	Kunigal	Shri D Krishna Kumar
107.	132	Tumkur City	Shri G.B. Jyothi Ganesh
108.	133	Tumkur Rural	Shri B Suresh Gowda
109.	134	Koratagere (SC)	Shri Anil Kumar, Retd. IAS
110.	136	Sira	Dr. Rajesh Gowda
111.	137	Pavagada (SC)	Shri Krishna Nayak
112.	138	Madhugiri	Shri L C Nagaraj
113.	139	Gauribidanur	Dr. Shashidhar
114.	140	Bagepalli	Shri C Muniraju
115.	141	Chikkaballapur	Dr. K. Sudhakar
116.	143	Chintamani	Shri Venu Gopal
117.	144	Srinivaspur	Shri Gunjuru Srinivas Reddy
118.	145	Mulbagal (SC)	Shri Shigehalli Sundar
119.	147	Bangarapet (SC)	Shri M. Narayanswamy
120.	148	Kolar	Shri Varthur Prakash
121.	149	Malur	Shri KS Manjunath Gowda
122.	150	Yelahanka	Shri S.R. Vishwanath
123.	151	K.R. Pura	Shri B.A. Basavaraj
124.	152	Byatarayanapura	Shri Thammesh Gowda
125.	153	Yeshvanthapura	Shri S.T. Somashekar
126.	154	Rajarajeshwarinagar	Shri Munirathna Naidu
127.	155	Dasarahalli	Shri S Muniraju

कर्नाटक विधानसभा चुनावः भाजपा ने जारी की 189 उम्मीदवारों की पहली सूची

भाजपा ने 52 नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने मंगलवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 189 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा नेता अरुण सिंह ने 189 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। 189 उम्मीदवारों में से 52 उम्मीदवार को पहली बार टिकट दिया गया है। भाजपा नेता अरुण सिंह ने बताया कि पार्टी ने 52 नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा है। 189 उम्मीदवारों की सूची में 32 अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं, जबकि 30 अनुसूचित जाति और 16 अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा नेता अरुण सिंह ने 189 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। 189 उम्मीदवारों में से 52 उम्मीदवार को पहली बार टिकट दिया गया है। भाजपा नेता अरुण सिंह ने बताया कि पार्टी ने 52 नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा है। 189 उम्मीदवारों की सूची में 32 अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं,

उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों की पहली सूची में कुल आठ महिलाएं हैं। इसके अलावा सूची में पांच वकील, नौ चिकित्सक, तीन अकादमिक क्षेत्र से, एक सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी और एक भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी को भी जगह दी गई है।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक विधानसभा के लिए 10 मई को मतदान होगा, मतगणना 13 मई को होगी। चुनाव अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 13 अप्रैल से शुरू होगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल है।

यूक्रेन की उप विदेश मंत्री ने विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी से की मुलाकात

नई दिल्ली। यूक्रेन के विदेश मामलों की प्रथम उपमंत्री एमीन झापरोवा ने मंगलवार को विदेश और संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी से मुलाकात की। इस दौरान पारस्परिक हित के द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा के अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित राष्ट्रपति जेलेंस्की का एक पत्र उन्हें सौंपा। विदेश मंत्रालय के बुधवार को जारी वक्तव्य के अनुसार उन्होंने यूक्रेन की ओर से दवाओं और चिकित्सा उपकरणों सहित अतिरिक्त मानवीय आपूर्ति का अनुरोध किया। एमीन झापरोवा ने 10 से 12 अप्रैल तक नई दिल्ली दौरे पर हैं। झापरोवा और लेखी के बीच इस बात पर सहमति हुई कि दोनों

देशों के बीच अगला अंतर-सरकारी आयोग पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर भारत में आयोजित किया जाएगा। झापरोवा ने विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। द्विपक्षीय एजेंडे में आर्थिक, रक्षा, मानवीय सहायता और पारस्परिक हित के वैश्विक मुद्दों जैसे क्षेत्र शामिल रहे। उन्होंने सचिव (पश्चिम) को यूक्रेन की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। दोनों पक्ष कीव में पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर विदेश कार्यालय परामर्श के अगले दौर को आयोजित करने पर सहमत हुए। भारतीय मेडिकल छात्रों के मुद्दे पर डिप्टी एफएम ने उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन विदेशी मेडिकल छात्रों को देश के अधिवास में एकीकृत राज्य योग्यता परीक्षा देने की अनुमति देगा। यूक्रेनी उप विदेश मंत्री ने यह भी प्रस्ताव दिया कि यूक्रेन में बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण भारतीय कंपनियों के लिए एक अवसर हो सकता है। सचिव (पश्चिम) ने साझा किया कि भारत ने यूक्रेन को दवाएं, चिकित्सा उपकरण प्रदान किए हैं और स्कूल बस आदि प्रदान करेगा। झापरोवा ने मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन संस्थान का दौरा किया और विश्व मामलों की भारतीय परिषद में व्याख्यान भी दिया।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हर महिला वोटर तक पहुंचेगी भाजपा

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हर महिला वोटर तक भाजपा पहुंचेगी। इसकी रणनीति भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनाथी श्रीनिवासन ने तैयार की है। उन्होंने कहा है कि सभी सरकारी योजनाओं में 50 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं। सभी महिला लाभार्थियों के साथ एक करोड़ सेल्फी नमो ऐप पर अपलोड की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा होने के नाते हम महिला मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यूपी, मणिपुर, गोवा और गुजरात में बड़ा बदलाव हुआ है। इन राज्यों की महिलाओं ने भाजपा पर अभूतपूर्व आत्मविश्वास जताया है। वैसे तो पूरे देश में महिलाएं भाजपा के साथ हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ता हर महिला मतदाता तक पहुंचे।

उल्लेखनीय है कि कर्नाटक विधानसभा की 224 सीटों के लिए भाजपा 189 उम्मीदवारों की सूची मंगलवार को जारी कर चुकी हैं। इस सूची में आठ महिला उम्मीदवारों के नाम हैं। महिला मोर्चा के कर्नाटक के हर जिले में सम्मेलन हो चुके हैं। हर बूथ पर संगठन को सक्रिय कर जिम्मेदारी बांटी गई हैं।

ईडी हिटलर की तरह बना रही गैस चैंबर गन पॉइंट पर कबूल करवा रही गुनाह: संजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ईडी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि आज पूरे देश को मैं ये बताना चाहता हूं कि ईडी कैसे इंफोसिंग डिक्टेटर बन गई है। उन्होंने कहा आज मैं इसका खुलासा करूंगा। सिंह ने कहा कि ईडी लोगों को प्रताड़ित करती है। एक को कहा गया कि तेरी बेटी कॉलेज कैसे जाएगी देखेंगे। लोगों के मां बाप को धमकाया जाता है। उन्होंने कहा कि ये बात हम नहीं कोर्ट में कही गई है। चंदन रेड्डी ने हाई कोर्ट में पेटिशन लगाई कि ईडी ने उन्हे ऐसा मारा कि उनके कान फट गए। थर्ड डिग्री के सहारे जबरन बयान लिया गया है। संजय सिंह ने कहा कि चंदन रेड्डी की मेडिकल रिपोर्ट कहती है कि पिटाई के कारण ही उसके कान का पर्दा फट गया था। उन्होंने कहा कि ईडी से प्रताड़ित दूसरा व्यक्ति हैं अरूण पिललई। ईडी ने उसकी बेटी और पत्नी को धमकाया है। तीसरा व्यक्ति है समीर मेहन्दू इसकी पत्नी को डरा धमकाकर झूठा बयान लिया गया है। समीर मेहन्दू ने ये बात कोर्ट में लिखकर दी है। चौथा नाम भूषण बेलगामी है। भूषण को ईडी ने धमका कर झूठा गलत बयान लिया है। इतना ही नहीं मना स्वामी परभूने से भी ईडी ने जबरन झूठा बयान लिया था। संजय सिंह ने कहा लिस्ट अभी यही नहीं रुकती है। इस लिस्ट में छठवां नाम राघव रेड्डी का है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि उन पर ईडी ने राजनैतिक लोगों का नाम लेने का दवाब बनाया था। संजय सिंह ने कहा कि ईडी किसके दवाब में काम कर रही है? चंदन रेड्डी ने कोर्ट में ये भी कहा कि ईडी के साथ साथ दूसरे लोगों ने भी पीटा है तो ईडी के दफ़्तर में कौन लोग जाकर पीटते हैं? इसके अलावा मनीष सिसोदिया के पीएस रिंकू को भी धमकाया गया है। संजय सिंह ने कहा कि 'मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि आपने नारा दिया 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' लेकिन बेटी के नाम पर ही धमकाया जा रहा है। आपको लड़ना है तो आमने सामने आकर लड़ाई करिए। उन्होंने कहा कि ये बाद मैंने संसद में उठाई थी कि 8 साल में 3500 रेड हुई और 0.5 प्रतिशत कनविक्शन हुआ तो मुझे प्रिविलेज कमेटी का नोटिस मिला अब इस मुद्दे को कमेटी के सामने उठाउंगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पीएम मोदी से मदद की लगाई गुहार

नई दिल्ली। रूस के साथ पिछले एक साल से अधिक समय से जंग लड़ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी भेजी है। इस चिट्ठी में उन्होंने पीएम मोदी से यूक्रेन के लिए अतिरिक्त मानवीय सहायता भेजने का अनुरोध किया है। यह अनुरोध ऐसे समय में आया है जब यूक्रेन की उप विदेश मंत्री एमीन जापारोवा भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आई हुई हैं। जापारोवा ने कल भारत की उप विदेश मंत्री मीनाक्षी लेखी से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी को संबोधित राष्ट्रपति जेलेंस्की की यह चिट्ठी उन्हें सौंपी थी। इस चिट्ठी में यूक्रेन ने दवाओं और चिकित्सा उपकरणों सहित अतिरिक्त मानवीय आपूर्ति का अनुरोध किया है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया गया कि 'यूक्रेनी मंत्री ने यह भी प्रस्ताव दिया कि यूक्रेन में बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण भारतीय कंपनियों के लिए एक अवसर हो सकता है।' बयान के मुताबिक, इस बात पर सहमति बनी है कि दोनों देशों के बीच अगला अंतर-सरकारी आयोग पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीख पर भारत में आयोजित किया जाएगा।

जमीन के काम में बाबाओं को करोड़ों की कमाई

–बागेश्वर और कुबेरेश्वर धाम के आसपास की जमीनों के दाम 10 गुना से अधिक बढ़े

भोपाल। भारत में बाबाओं की बड़ी तेजी के साथ बढ़ आ रही है। पिछले वर्षों में जिन बाबाओं ने अपने-अपने धाम बनाए हैं। धार्मिक आस्था से उपजी भक्तों की भीड़ के कारण आसपास की जमीन के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़े हैं। पिछले कुछ महीनों में सबसे ज्यादा चर्चा में रहे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री, और कुबेरेश्वर धाम के पंडित प्रदीप मिश्रा की हो रही है। जहां पर इनके धाम स्थित है। वहां के आसपास के लोगों का कहना है, पिछले 3 वर्षों में यहां की जमीनों के दाम 10 गुना से ज्यादा बढ़ गए हैं। जो जमीन 2020 में 2 से 3 लाख रुपए एकड़ की थी। 20 से 30 लाख रुपए प्रति एकड़ हो गई है। जहां-जहां बाबाओं ने अपने धाम बनाए हैं। वहां पर बड़े पैमाने पर पहले ही जमीन खरीद ली थी। लाखों की ली हुई जमीन अब करोड़ों रुपए की हो गई है। बाबाओं को धर्म की आस्था के नाम पर भक्तों से पूजा के नाम पर भारी चढ़ावा मिलता है। वहीं जमीनों की खरीद बिक्री करके भी अब बाबाओं ने करोड़ों की कमाई करना सीख लिया है। जब यह अपने धाम में विशेष आयोजन करते हैं। तब आसपास दुकान लगाने वालों से होटल वालों से और अन्य लोगों से बड़ी राशि वसूल करते हैं। जिस तरह से मेलों में दुकानें नीलाम होती है। उसी तरह से धाम किराया वसूल करते हैं।

अमेरिका में 6 लाख अवैध अप्रवासी भारतीय?

–न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिल रही है अमेरिका में भारतीयों को

नई दिल्ली। थिंक टैंक न्यू अमेरिकन इकोनामी की रिपोर्ट में बताया गया है। अमेरिका में एक करोड़ अवैध अप्रवासी रह रहे हैं। इनमें 6 लाख भारतीय अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं। अवैध रूप से जो भारतीय अमेरिका में आए हैं। वह मेक्सिको और कनाडा की सीमा से अवैध रूप से अमेरिका में आए हैं। भारत में बहुत सारे ऐसे गैंग हैं। जो भारतीयों को टूरिस्ट वीजा बनाकर तुर्की और फांस भेज देते हैं। वहां से कनाडा और मेक्सिको होते हुए अवैध रूप से अमेरिका पहुंचाया जाता है। कनाडा और अमेरिका की 9000 किलोमीटर की संयुक्त सीमा है। यूएस बॉर्डर पेट्रोलिंग ने 2022 में एक लाख अवैध प्रवासियों को पकड़ा था। इनमें अधिकतर मैक्सिकन और भारतीय नागरिक थे। अमेरिका में एंट्री दिलाने के लिए ऐसे एजेंटों की गैंग 60 से 70 लाख रुपये लेकर अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश कराती है। अवैध रूप से जो अवैध यहां पहुंच रहे हैं। उनसे अमेरिका की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। थिंक टैंक न्यू अमेरिकन इकोनामी की रिपोर्ट के अनुसार, अवैध रूप से रह रहे 6 लाख भारतीय अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 23000 करोड़ रुपए का योगदान दे रहे हैं। अमेरिका में दस्तावेज नहीं होने के कारण इन्हें न्यूनतम मजदूरी भी भुगतान नहीं होता है। वहीं अमेरिका की सरकार इन पर एक धेला भी खर्च नहीं करती है। अवैध रूप से जो अप्रवासी जा रहे हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। कम कीमत में करोड़ों मजदूर आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी भारतीयों की हालत बहुत ज्यादा खराब है।

अस्पतालों में इन दिनों बढ़ती ही जा रही है कोरोना मरीजों की संख्या

नई दिल्ली। इन दिनों देश के अस्पतालों में कोरोना मरीजों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। हालांकि सरकार भी इसे लेकर पूरी तैयारी में जुटी हुई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को सूचित किया कि कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में बड़े पैमाने पर देशव्यापी अभ्यास के तहत 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 724 जिलों में दो दिवसीय कोविड-19 मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित की गई। मंत्रालय ने कहा कि कई राज्यों में कोविड-19 मामलों में क्रमिक वृद्धि के बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 28 मार्च, 2023 को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सभी स्वास्थ्य सुविधाओं में 10 और 11 अप्रैल को मॉक ड्रिल आयोजित करने के लिए लिखा था। उपकरण, प्रक्रिया और जनशक्ति के संदर्भ में तैयारियों के अपने स्तर का मूल्यांकन करने के लिए कोविड समर्पित स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं। कोरोना मरीजों के आंकड़ों की बात करें तो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में भारत में कोविड-19 के 7,830 नए मामले सामने आए हैं। सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 40,000 के आंकड़े को पार कर गई है। देश में फिलहाल 40,215 सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार, दैनिक सकारात्मकता दर 3.65प्र. दर्ज की गई और साप्ताहिक सकारात्मकता दर 3.83प्र दर्ज की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को देश में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 5,676 नए मामले सामने आए। सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली ने मंगलवार को 25.98 प्रतिशत की सकारात्मक दर के साथ 980 ताजा कोविड -19 मामले दर्ज किए। राष्ट्रीय राजधानी में भी कोविड से दो और लोगों की मौत हुई है।

सावन में होगा पुरुषोत्तम मास, इस साल होंगे 4 ग्रहण

उज्जैन। इस साल तीन सूर्यग्रहण और एक चंद्रग्रहण सहित कुल चार ग्रहण पड़ रहे हैं। भारत में केवल 28 अक्टूबर की रात में लगने वाला चंद्रग्रहण ही नजर आएगा, लिहाजा अन्य तीन सूर्य ग्रहणों का कोई खास प्रभाव भारत पर नहीं पड़ेगा। इस वर्ष सावन के महीने में पुरुषोत्तम मास पड़ रहा है। फलस्वरूप सावन माह दो महीने तक चलेगा। सावन के बाद आने वाले दशहरा, दिवाली, कार्तिक पूर्णिमा और होली जैसे पर्व एक महीना विलंब से इस वर्ष आएंगे। कांवड़ यात्रा शुद्ध श्रावण के सावन पक्ष में पड़ेगी तथा शुद्ध पक्ष में पड़ेगी भद्रा भर पीछे हट जाएगा। पहला खग्रास सूर्यग्रहण इसी मास 20 अप्रैल को पड़ेगा और अनेक देशों में खग्रास आकृति नजर आएगी। दूसरा सूर्यग्रहण 14 अक्टूबर और तीसरा सूर्यग्रहण अगली आठ अप्रैल को दिखाई देगा। 14 अक्टूबर को पड़ने वाला सूर्यग्रहण कंकण अर्थात अंगूठी का आकार उत्पन्न करेगा। मार्तंड पंचांग के ज्योतिषाचार्य पंडित संतोष नागर के अनुसार, 28 अक्टूबर की आधी रात में पड़ने वाला खंडग्रास चंद्रग्रहण पूरे भारत में दिखाई पड़ेगा। इस साल सावन का महीना 60 दिन लंबा होगा। शुद्ध कृष्ण पक्ष चार जुलाई से 17 जुलाई तक चलेगा। पुरुषोत्तम मास 28 जुलाई से 16 अगस्त तक रहेगा। सावन शुद्ध शुक्ल पक्ष 17 अगस्त से 31 अगस्त रहेगा रक्षाबंधन 30 अगस्त, जन्माष्टमी 6 सितंबर, पितृ पक्ष प्रारंभ 29 सितंबर, शारदीय नवरात्रि 15 अक्टूबर, विजयादशमी 24 अक्टूबर, शरद पूर्णिमा 28 अक्टूबर, करवाचौथ एक नवंबर, दिवाली 12 नवंबर, देवोत्थान एकादशी 23 नवंबर, कार्तिक पूर्णिमा 27 नवंबर को मनाए जाएंगे। अगली होली 24 और 25 मार्च की पड़ रही हैं।

पश्चिम बंगाल ने मिड डे मील में 100 करोड़ रुपये की गडबड़ी, 16 करोड़ अधिक थालियों का घालमेल

नयी दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय की एक समिति ने पाया है कि पिछले वर्ष अप्रैल से सितंबर के बीच मध्याह्न भोजन योजना के तहत पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 16 करोड़ अधिक थाली के बारे में सूचना दी गई। समिति ने इसकी लागत 100 करोड़ रुपये मूल्य की आंकी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय ने जनवरी में पीएम-पोषण योजना में अनियमितता की शिकायत मिलने के बाद इस केंद्र पोषित योजना की समीक्षा के लिए एक समिति- 'संयुक्त समीक्षा मिशन' का गठन किया था। इस समिति ने विभिन्न स्तरों पर भोजन की थाली परोसे जाने की संख्या को लेकर जानकारी प्रदान करने में गंभीर अनिमितताएं पाईं। समिति की रिपोर्ट में गया है कि राज्य सरकार द्वारा केंद्र को पेश की गई प्रथम और द्वितीय तिमाही प्रगति रिपोर्ट में अप्रैल से सितंबर 2022 के दौरान पीएम-पोषण के तहत 140.25 करोड़ भोजन थाली परोसे जाने की बात कही गई। हालांकि तिमाही प्रगति रिपोर्ट के अनुसार परोसे गए भोजन की थाली की संख्या 124.22 करोड़ थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस प्रकार से मध्याह्न भोजन की थाली के बारे में 16 करोड़ ज्यादा का आंकड़ा बताना गंभीर मामला है। इसकी सामग्री लागत 100 करोड़ रुपये आंकी गई है।

स्मृति ईरानी के ओएसडी ने कांग्रेस के बर्खास्तगी वाले तंज का कुछ इस अंदाज में दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रियों स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) के कार्यकाल में कटौती की खबरों के बीच कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि उन्हें हटाने करने के पीछे के कारण पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा कि क्या ओएसडी को कमतर क्यों बनाया जा रहा है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने मंगलवार को ओएसडी के कार्यकाल में कटौती के दो अलग-अलग आदेश जारी किए। स्मृति ईरानी और पीयूष गोयल के ओएसडी को क्यों हटाया गया है? उन्होंने क्या गलत किया? क्या वे संभवतः पतनशील लोग हो सकते हैं? हमें सच्चाई क्यों नहीं जाननी चाहिए? क्या मंत्री बोलेंगे?' कांग्रेस के सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने ट्वीट कर सवालों की झड़ी लगा दी।

स्मृति ईरानी के पूर्व ओएसडी देवयांशी शाह ने श्रीनेट के पोस्ट को टैग करते हुए ट्वीट किया सुप्रिया श्रीनेत मैंने बुजुर्गों की देखभाल के लिए पारिवारिक दायित्वों के कारण इस्तीफा देना चुना और मुझे बर्खास्त नहीं किया गया। स्मृति ईरानी मैम के साथ काम करना और अपने देश की सेवा करना सम्मान की बात है। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि केवल ईरानी के साथ स्कोर तय करने के लिए एक पेशेवर के रूप में मेरे भविष्य को सार्वजनिक रूप से खराब न करें।

खबरों के मुताबिक कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने दो केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के ओएसडी के कार्यकाल में कटौती को मंजूरी दे दी है। देवांशी शाह स्मृति ईरानी की ओएसडी थीं, जबकि अनुज गुप्ता पीयूष गोयल के ओएसडी थे। बताया जा रहा है कि देवांशी शाह का कार्यकाल 31 जनवरी से घटा दिया गया और अनुज गुप्ता का कार्यकाल 7 मार्च 2023 को समाप्त हो गया। कार्यकाल कम करने के आदेश मंगलवार को जारी किए गए।

हिजाब विवाद में सुर्खियां पाने वाले विधायक का भाजपा ने टिकट कटा

–कट्टर हिंदू समर्थक सुवर्णा को टिकट थमाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बीजेप ने हिजाब विवाद में सुर्खियां बटोरने वाले उडुपी विधायक का टिकट काट दिया है। बीजेपी के फैसले पर लोग हैरानी जाहिर कर रहे हैं। लेकिन हकीकत है कि उडुपी विधायक और तटीय कर्नाटक के बड़े नेता रघुपति भट को बीजेपी ने टिकट नहीं दिया है। दरअसल भट का नाम कर्नाटक के हिजाब विवाद के बीच काफी सुनने को मिला था। जिसके बाद से बीजेपी ने चुनावी रणनीति के तहत भट का टिकट काट दिया है। हालांकि बीजेपी ने भट को टिकट न दिए जाने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। हिजाब विवाद में भट की संलिप्तता ने उडुपी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध हुआ था। बीजेपी ने उडुपी से इस बार यशपाल सुवर्णा को टिकट थमाया है। जोकि कट्टर हिंदू समर्थक माने जाते हैं।

हिजाब विवाद ने देशभर में सुर्खियां बटोरी थीं। जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा था। कहा जाता है कि हिजाब विवाद में विधायक भट की अहम भूमिका और संलिप्तता थी। उस वक्त भट उडुपी के महिला सरकारी पीयू कॉलेज में कॉलेज विकास समिति के अध्यक्ष थे। जहां सबसे पहले हिजाब मुद्दा शुरू हुआ था। उन्होंने विरोध प्रदर्शन के मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने की मांग की थी।

बीजेपी ने उडुपी सीट पर सुवर्णा को उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी की इस चुनावी चाल के पीछे हिंदुत्व का फैक्टर निकलकर सामने आ रहा है।सुवर्णा हिंदुत्व विचारधारा के कट्टर समर्थकों में से एक हैं। उन्होंने हिजाब विवाद में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ विवादित टिप्पणी भी की थी। जिसमें यशपाल ने प्रदर्शनकारियों और याचिकाकर्ताओं को आतंकवादी तक कहा था। वह हिजाब विवाद के दौरान महिला सरकारी पीयू कॉलेज में कॉलेज समिति के उपाध्यक्ष भी थे।

सुवर्णा मोगवीरा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। जिसका कि उडुपी जिले में बड़ा वोट बैंक है। वहीं तटीय कर्नाटक की अगर बात करें, तब यशपाल हिंदुत्व के कट्टर समर्थकों में से एक बनकर उभरे हैं। यशपाल को टिकट दिए जाने के पीछे बीजेपी का हिंदुत्व एजेंडा साफ है। माना जा रहा है कि बीजेपी हिंदुत्व एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश में है। इस बार कर्नाटक चुनाव में करीबी मुकाबला होने की उम्मीद है। यही वजह है है कि बीजेपी और विपक्षी दलों में मतदाताओं के समर्थन के लिए होड़ मची हुई है।

रक्षा मंत्री ने सेना से मांगी थी रिपोर्ट, आर्मी चीफ मनोज पांडे ने राजनाथ सिंह को गोलीबारी की जानकारी दी

नई दिल्ली। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में बुधवार तड़के भारतीय सेना के चार जवानों की हत्या कर दी गई, जिसे फेट्रिकाइड का मामला माना जा रहा है। बठिंडा छावनी में गोलीबारी की घटना सुबह करीब साढ़े चार बजे हुई, जिसके बाद सैन्य ठिकाने की घेराबंदी कर दी गई। सुरक्षा एजेंसियों ने घटना के पीछे एक आतंकी हमले से इंकार किया। सूत्रों के हवाले से एएनआई न्यूज एजेंसी ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बठिंडा मिलिट्री स्टेशन फायरिंग की घटना के बारे में जानकारी दी है।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन पर हुई फायरिंग आतंकी हमला नहीं था : पंजाब के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुलनीत खुराना ने बताया कि बठिंडा मिलिट्री स्टेशन पर हुई गोलीबारी के संबंध में अब तक मिली जानकारी के अनुसार यह स्पष्ट है कि यह आतंकवादी कृत्य नहीं था। वहीं पंजाब के विधायक अनमोल गगन मान ने कहा कि भटिंडा सैन्य स्टेशन पर गोलीबारी 'आंतरिक लड़ाई का मामला' थी। उसने कहा कि उसने पंजाब के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से बात की है और जांच चल रही है।

कोर्ट में अतीक की बहन ने सरेंडर करने की अर्जी दायर की

–उमेश पाल हत्याकांड में है आरोपी

प्रयागराज (एजेंसी)। (उत्तर प्रदेश)। गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद की बहन आयशा नूरी ने कोर्ट के सामने सरेंडर करने की अर्जी दायर की है। प्रयागराज के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ने नूरी द्वारा दायर अर्जी के जवाब में अब धूमनगंज थाने से रिपोर्ट मांगी है। सीजेएम ने मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख 13 अप्रैल तय की है। आयशा नूरी ने अपने आवेदन में कहा कि उन्हें एक मीडिया रिपोर्ट से पता चला कि उन्हें उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि चूंकि मुझे मामले में आरोपी बनाया गया है, इसलिए मैं जमानत के लिए आवेदन करने के लिए अदालत के सामने आत्मसमर्पण करना चाहती हूं। उन्होंने सीजेएम से इस संबंध में पुलिस से रिपोर्ट प्राप्त करने का अनुरोध किया। मेरठ के डॉक्टर व आयशा के पति अखलाक अहमद को 2 अप्रैल को विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने उनके मेरठ स्थित आवास से गिरफ्तार किया था और उमेश पाल हत्याकांड के सिलसिले में प्रयागराज ले जाया गया था। बाद में उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोप है कि अखलाक ने बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल के हत्यारों को आश्रय और पैसा मुहैया कराया था। इसके बाद उन्हें प्रयागराज ले जाया गया। आरोप है कि अब्दुल्लापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात अखलाक ने उमेश पाल के हत्यारों को न सिर्फ आश्रय दिया, बल्कि हत्या के बाद मेरठ पहुंचने पर पैसे भी दिए। इसके बाद अखलाक की गिरफ्तारी के बाद उसकी पत्नी आयशा नूरी भी इस सिलसिले में वांछित थी। आयशा नूरी तब सुर्खियों में आई, जब उन्होंने 28 मार्च को उमेश पाल अपहरण मामले में फैसला सुनाए जाने के समय अदालत में पेश होने के लिए साबरमती जेल से प्रयागराज ले जा रहे पुलिस के काफिले का पीछा किया। पाल और उनके दो पुलिस सुरक्षा गार्डों की 24 फरवरी 2023 को धूमनगंज थाना क्षेत्र में उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश पाल की पत्नी जया की शिकायत पर धूमनगंज थाने में अतीक, उसके भाई अशरफ, दो बेटों, उसके सहयोगी गुड्डू मुस्लिम और गुलाम तथा नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

जलते हुए अंगारों पर नंगे पांव चले संबित पात्रा, झामू जात्रा में की पूजा-अर्चना

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ओडिशा के पुरी जिले में झामू जात्रा में पूजा के दौरान जलते हुए कोयले के अंगारों पर चले। पात्रा जलते हुए कोयले पर लगभग 10 मीटर तक चले। इसके बाद पात्रा ने ट्वीट किया, 'आज, मैंने पुरी जिले के समांग पंचायत के रेबती रमण गांव में तीर्थयात्रा में भाग लिया, आग पर चलकर माता का पूजन किया और उनका आशीर्वाद लिया और ग्रामीणों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस तीर्थयात्रा में आग पर चलकर माता का आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उन्होंने लोगों के कल्याण और क्षेत्र में शांति के लिए आग पर चलने का कार्य किया। परंपरा के अनुसार, झामू जात्रा एक तपस्या है और भक्त अपनी इच्छाओं की पूर्ति तथा देवी मां को प्रसन्न करने के लिए आग पर भी चलते हैं। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा कि उन्होंने लोगों के कल्याण और क्षेत्र में शांति के लिए मां से आशीर्वाद लिया और आग पर चला हूं।

संबित पात्रा ने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उन्हें आग पर चलते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में संबित पात्रा जलते कोयलों की एक लंबी पट्टी पर दौड़ते हुए नजर आ रहे हैं। आग पर चलने के दौरान संबित पात्रा के चेहरे पर मुस्कान नजर आ रही थी। इस दौरान मौके पर तमाम ग्रामीण भी मौजूद थे। परंपरा के मुताबिक झामू जात्रा एक ऐसी तपस्या है, जिसमें भक्त अपनी इच्छाओं-मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए देवी मां को प्रसन्न करने के लिए पूजा-अर्चना करते हैं। इसके लिए परंपरा के मुताबिक आग पर चलकर या अपने शरीर पर नाखून छिदवाते हैं।

कांग्रेस का आरोप, डेयरी सहकारी संस्थाओं पर नियंत्रण करना चाहती है भाजपा

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा डेयरी सहकारी संस्थाओं पर नियंत्रण करना चाहती है। कांग्रेस पार्टी महासचिव ने कहा कि कर्नाटक में अमूल और नंदिनी ब्रांड के बीच जबरन समन्वय करने की घोषणा भारतीय जनता पार्टी द्वारा राज्यों में डेयरी सहकारी संस्थाओं पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्र और एक दूध का नारा दे। गत पांच अप्रैल को अमूल द्वारा बेंगलुरु में दूध और दही की आपूर्ति करने की घोषणा के बाद से चुनावी राज्य कर्नाटक में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों ने आशंका जताई है कि कर्नाटक के 21,000 करोड़ रुपये के नंदिनी ब्रांड का अमूल के साथ विलय किया जा सकता है। जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार अपने चिर परिचित अंदाज में कदम बढ़ा रही है। वे संविधान की उपेक्षा करके सहकारी संस्थाओं पर नियंत्रण कर रहे हैं, जबकि सहकारिता राज्यों से संबंधित विषय है। उन्होंने केंद्र में सहकारिता मंत्रालय के गठन से लेकर अब तक के कुछ घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सहकारी संस्थाओं पर किसानों की जगह अपना नियंत्रण स्थापित करना चाह रही है। रमेश ने कहा, कांग्रेस ने हमेशा भारत के संघीय और विकेंद्रीकृत दृष्टिकोण का समर्थन किया है।

खड़गे और राहुल से मिले नीतीश, तेजस्वी भी रहे मौजूद, क्या विपक्षी एकता पर बन पाएगी बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 3 दिनों की दिल्ली यात्रा पर है। इस दौरान वह विपक्ष के बड़े नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। आज नीतीश कुमार ने अपने दिल्ली यात्रा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार की मुलाकात 2024 चुनाव को लेकर विपक्षी एकता के लिए है। हालांकि, सवाल यही है कि नीतीश कुमार की इन मुलाकातों से क्या विपक्षी एकता देखने को मिलेगी? कुछ दिनों पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीतीश कुमार से फोन पर बात भी की थी। ऐसे में कहीं ना कहीं नीतीश कुमार और कांग्रेस 2024 चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। नीतीश कुमार के साथ राजद नेता तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे। नीतीश कुमार का मल्लिकार्जुन खरगे ने स्वागत किया। राहुल गांधी भी इस दौरान मौजूद रहे। नीतीश कुमार के साथ जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह और पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय झा भी मौजूद रहे। वहीं, दिल्ली पहुंचने के साथ ही नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मौजूदा राजनीतिक हालात के अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने के लिए विपक्षी एकता को मजबूत करने के प्रयासों पर भी चर्चा की। नीतीश कुमार ने कहा कि वह लालू प्रसाद के साथ फोन पर संपर्क में थे, और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने तथा उनसे प्रत्यक्ष रूप से मिलना महत्वपूर्ण था, इसलिए वह उनसे मिले।

नीतीश कुमार अतीत में कई बार कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों को 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए हाथ मिलाने की सलाह दे चुके हैं। फरवरी में, कुमार ने इस बात पर जोर दिया था कि यदि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल 2024 का लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ते हैं, तो भाजपा 100 सीट से कम सीट पर सिमट जाएगी। कुमार ने पिछले साल सितंबर में भी दिल्ली का दौरा किया था जब उन्होंने शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, डी राजा, सीताराम येचुरी और अखिलेश यादव जैसे नेताओं से मुलाकात की थी।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने फ्रांसिसी राष्ट्रपति मैक्रों को चीन का चाटुकार बताया

वाशिंगटन । अपने बेबाक बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांसिसी राष्ट्रपति को लेकर विवादित बयान दिया है। इमैनुएल मैक्रों की चीन यात्रा से गुस्साएं ट्रंप ने उन्हें चाटुकार तक करार दे दिया है। एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने कहा कि फ्रांसिसी राष्ट्रपति मैक्रों चीन में शी जिनपिंग की चाटुकारिता में लगे थे। बता दें कि साक्षात्कार के जरिए न्यूयॉर्क में दोषी ठहराए जाने के बाद ट्रंप की मीडिया में पहली उपस्थिति थी। ट्रंप ने कहा कि मैक्रों मेरे मित्र हैं, चीन के साथ हैं, उसकी चाटुकारिता कर रहे हैं। ठीक है, उन्होंने कहा, फ्रांस चीन के पास जा रहा है। ट्रंप की ये टिप्पणी पिछले हफ्ते चीन की अपनी राजकीय यात्रा के बाद ताइवान पर अपनी टिप्पणी से मैक्रों द्वारा विवाद छेड़ने के बाद आई है। मैक्रों ने 5-7 अप्रैल तक चीन का दौरा किया। मैक्रों का बीजिंग में शानदार स्वागत किया गया। हालाँकि, मैक्रों ने चीन के प्रति अपने सम्मान के साथ खुद को संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के अन्य लोगों के साथ आसक्त नहीं किया है। मैक्रों ने कहा कि अब समय आ गया है जब यूरोप को अमेरिका पर निर्भर होने की आदत छोड़न होगी। वहीं कूटनीति के नए तरीकों के तहत भारत दुनिया की बड़ी ताकतों के साथ अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत कर रहा है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ से अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने और वाशिंगटन और बीजिंग के साथ विश्व मामलों में तीसरा ध्रुव बनने का भी आह्वान किया। मैक्रों की टिप्पणी तब आई जब राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के अमेरिका की यात्रा से लौटने के बाद चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास किया, जहां उन्होंने प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैकार्थी से मुलाकात की। चीन ने त्साई इंग-वेन को मैक्कार्थी से मिलने के खिलाफ चेतावनी दी थी।

ब्रिटेन में 'टिकटॉक' पर आपत्तिजनक वीडियो साझा करने के लिए भारतीय को सजा

लंदन। ब्रिटेन की एक अदालत ने 68 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को सोशल मीडिया ऐप 'टिकटॉक' पर एक खास समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो साझा करने का दोषी ठहराते हुए 18 महीने की सजा सुनाई है। अदालत ने पिछले सप्ताह जारी अपने आदेश में बर्कशायर निवासी अमरीक बाजवा पर 240 पाउंड का जुर्माना भी लगाया। पुलिस ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, ''थेम्स वैली पुलिस की जांच के बाद, एक व्यक्ति को सोशल मीडिया के जरिये आपत्तिजनक संदेश साझा करने के लिए सजा सुनाई गई है।'' बाजवा ने पिछले साल 19 जुलाई को टिकटॉक पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें दलित समुदाय को निशाना बनाया गया था। जांच अधिकारी एंड्रयू ग्रांट ने कहा, ''मैं दी गई सजा से खुश हूं, जो साफ संदेश देती है कि थेम्स वैली पुलिस अमरीक बाजवा जैसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं करेगी।

आर्मीनिया व अजरबैजान की भिड़ी सेना, 7 सैनिकों की मौत

बाकू । अजरबैजान और आर्मीनिया की सेना में मंगलवार को भीषण संघर्ष हुआ है, जिसमें 7 सैनिक मारे गए हैं। दोनों देशों के बीच पिछले कई दशक से क्षेत्रीय विवाद चल रहा है। साल 2020 में दोनों देशों के बीच नगर्नो-कराबाख को लेकर भीषण युद्ध हुआ था। इसके बाद रूस ने मध्यस्थता की और सीजफायर कराया था। हालांकि, दोनों देशों के बीच पिछले कुछ महीने में कई बार संघर्ष हो चुका है। रूस के यूक्रेन में फंसने के बाद अजरबैजान ने आर्मीनिया के कब्जे वाले कई इलाके पर कब्जा कर लिया है। आर्मीनिया और अजरबैजान दोनों ही सोवियत संघ के हिस्सा रह चुके हैं और अब तक दो युद्ध लड़ चुके हैं। नगर्नो कराबाख इलाका अजरबैजान का माना गया है, लेकिन इस इलाके में आर्मीनिया के लोग बहुतायत में रहते हैं। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी करके दावा किया है कि आर्मीनिया की सेना ने सीमा पर अजरी सैनिकों पर भारी गोलाबारी की। उसने कहा कि इसके जवाब में अजरबैजान के सैनिकों ने भी गोलीबारी की। अजरबैजान ने कहा कि उसके 3 सैनिक मारे गए हैं। वहीं आर्मीनिया के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा है कि 4 लोगों की मौत और 6 लोग घायल हो गए हैं। आर्मीनिया ने अजरबैजान पर आरोप लगाया है कि वह तनाव को भड़का रहा है। आर्मीनिया ने कहा कि अजरी सैनिकों से सबसे पहले गोलीबारी की। उसने कहा कि आर्मीनिया के सैनिक उस समय सीमा के पास इंजीनियरिंग का काम कर रहे थे। इससे पहले साल 2020 में रूस ने दोनों ही देशों के बीच शांति समझौता कराया था। रूस ने दोनों देशों के बीच शांतिरक्षक सैनिकों को भी तैनात किया है। आर्मीनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव ने यूरोपीय संघ और अमेरिका की मध्यस्थता के बाद कई दौर की शांति वार्ता की है। आर्मिनियाई प्रधानमंत्री ने शांति प्रक्रिया में प्रगति की बात कही थी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि मूलभूत समस्याएं बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि इसकी वजह यह है कि अजरबैजान क्षेत्रीय दावों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है, जो आर्मीनिया के लिए लक्ष्मण रेखा है।

इंडियाना के बंद कारखाने में लगी भीषण आग

रिचमॉन्ड । अमेरिका में ओहियो सीमा के पास इंडियाना शहर में एक औद्योगिक क्षेत्र में भीषण आग लगने के बाद लोगों से वहां से निकलने का आग्रह किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आग इंडियानापोलिस से 112.6 किलोमीटर पूर्व में वेन काउंटी के रिचमॉन्ड में लगी। इंडियाना स्टेट पुलिस के अनुसार, आग पूर्व हॉफको कारखाने में लगी, जो 2009 में बंद हो गया था। मेयर डेव स्नो ने इसे ''गंभीर और भीषण आग'' बताया। वहीं स्नो ने फेसबुक पर लिखा, ''प्रमुख दल मौके पर मौजूद हैं। जहां तक संभव हो इलाके में जाने से बचें, क्योंकि यह खतरनाक हो सकता है। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के ?लिए अभियान को अंजाम देने दें।'' पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल से 0.80 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को वहां से निकलने को कहा गया है। इस दायरे से बाहर रहने वाले लोगों से खिड़कियां बंद रखने और पालतू जानवरों को बाहर न निकलने देने की सलाह दी गई है।

भारत कर रहा टीटीपी आतंकियों की मदद : ख्वाजा आसिफ

-पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का आतंकवाद पर बचकाना बयान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) अब अफगानिस्तान की जमीन का प्रयोग आतंकी हमलों के लिए कर रहा है। यह संगठन इस देश की मदद से पाकिस्तान पर खासकर खैबर पख्तूनख्वां पर हावी होता जा रहा है। यह बात आसिफ ने मीडिया से कही है। रक्षा मंत्री ने भारत पर भी आतंकियों की मदद करने का आरोप दोहराया है।

पिछले साल टीटीपी और पाकिस्तान की सरकार के बीच एक शांति वार्ता के बाद से ही देश में आतंकी हमलों में इजाफा हुआ है। 29 नवंबर 2022 को टीटीपी ने युद्धविराम खत्म करने का फैसला किया था। इसके बाद से ही आतंकी संगठन आक्रामक हो गया है। युद्धविराम खत्म होने के बाद से 100 से ज्यादा आतंकी हमले हुए हैं, जिनमें सुरक्षाबलों और पुलिस के जवानों को निशाना बनाया गया है। पाकिस्तान का मानना है कि इनमें से कई हमलों की योजना अफगानिस्तान में मौजूद टीटीपी के आकाओं की तरफ से दिए गए थे। साथ ही आतंकी हमलों के निर्देश भी अफगानिस्तान से ही दिए जाते हैं। आसिफ ने मीडिया से बातचीत में अपना काबुल दौरा याद किया। उन्होंने बताया कि इस दौरे पर उन्होंने अफगानिस्तान की सरकार को टीटीपी की तरफ से बढ़ते आतंकी हमलों के बारे में बताया था। आसिफ ने कहा कि मीटिंग में अफगान तालिबान ने वादा किया था कि वह टीटीपी की तरफ से बढ़ते आतंकवाद की समस्या से निपटेगा। साथ ही कहा था कि वे दोहा समझौते के मुताबिक आतंकवाद के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगे। आसिफ के अनुसार अफगान तालिबान और टीटीपी के बीच एक भाईचारा है। उन्होंने कहा कि दोनों ही पिछले 20 सालों से नाटो के खिलाफ एक साथ लड़ रहे हैं और ऐसे में यह भाईचारा मजबूत हो गया है। आसिफ का कहना था कि टीटीपी आतंकियों में सात से आठ हजार के बीच अफगान तालिबान हैं। आसिफ ने दावा किया है कि टीटीपी के पास एडवांस्ड उन्नत हथियार हैं जैसे कि नाइट विजन गॉगल्स। रक्षा मंत्री ने कहा कि दूसरे देश भी टीटीपी आतंकियों को एडवांस्ड उपकरण मुहैया करा रहे हैं। उनकी मानें तो भारत जैसे कुछ देश जिनके पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं, वो अब टीटीपी की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इससे जुड़े सबूत भी दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वां में सेना के बढ़ते विरोध प्रदर्शन पर आसिफ ने यह माना कि पाकिस्तान में राजनीतिक स्थिति के कारण कई क्षेत्रों में आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को अक्सर मीडिया अनदेखा कर देती है।

रुस में एक ज्वालामुखी की राख से ढ़का हुआ एक घर और कार।

मस्क ने कहा....भारत में सोशल मीडिया से जुड़े कानूनों का पालन करेंगे

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि वास्तव में क्या हुआ जब ट्विटर ने 2023 की शुरुआत में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचनात्मक डॉक्यूमेंट्री से संबंधित सामग्री को हटा दिया था। मस्क ने कहा कि सोशल मीडिया सामग्री से जुड़े कुछ नियम भारत में काफी सख्त हैं। जनवरी में भारत ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान तब के सीएम मोदी के नेतृत्व पर सवाल उठाने वाली बीबीसी की एक डॉक्यूमेंट्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया, जिसमें कहा गया था कि सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी क्लिप को साझा करने पर भी रोक लगा दी गई थी। केंद्र सरकार की सलाहकार कंचन गुप्ता ने कहा था कि केंद्र ने ट्विटर को डॉक्यूमेंट्री के वीडियो से जुड़े 50 से अधिक ट्वीट ब्लॉक करने के आदेश जारी किए थे। श्रीमति गुप्ता ने कहा था कि हालांकि बीबीसी ने भारत में वृत्तचित्र का प्रसारण नहीं किया था, लेकिन वीडियो को कुछ यूट्यूब चैनलों पर अपलोड किया गया था। मस्क ने एक साक्षात्कार में कहा कि मैं इस विशेष स्थिति से अवगत नहीं हूं ... नहीं जानता कि वास्तव में भारत में कुछ सामग्री की स्थिति के साथ क्या हुआ है। 2002 में दंगों के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के शासनकाल पर डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। मस्क ने कहा कि अगर हमारे पास यह विकल्प है कि या तब हमारे लोग जेल जाएं या हम कानूनों का पालन करें, तब हम कानूनों का पालन करने वाले हैं।

दुश्मनी भुला नई शुरुआत करते दुनिया के दो शिया-सुन्नी देश, ईरान का डेलीगेशन पहुंचा सऊदी अरब

तेहरान (एजेंसी)। करीब सात साल बाद दुनिया के दो सबसे बड़े शिया और सुन्नी देश अपनी दुश्मनी को भुलाकर औपचारिक रिश्तों की नई शुरुआत करने जा रहे हैं। ईरानी मीडिया ने बताया कि पिछले महीने चीन द्वारा मध्यस्थता के तहत रियाद द्वारा इसी तरह के कदम के बाद अपने राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल बुधवार को सऊदी अरब पहुंचा। ईरान की आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी ने बताया कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल बुधवार को ईरानी दूतावास का दौरा करने और दोनों देशों के बीच हालिया समझौते के अनुसार वाणिज्य दूतावास को फिर से खोलने के लिए रियाद पहुंचा।

सऊदी प्रतिनिधिमंडल के तेहरान में इसी तरह की राजनयिक यात्रा पर आने के एक हफ्ते बाद यात्रा आती है। चीन में दो खाड़ी देशों के विदेश मंत्रियों के बीच एक ऐतिहासिक बैठक में इसकी अहम भूमिका रही है। दो लंबे समय से मध्य पूर्व के प्रतिद्वंद्वियों ने अब एक साथ काम करने का संकल्प लिया है। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी को सऊदी किंग सलमान द्वारा रियाद में

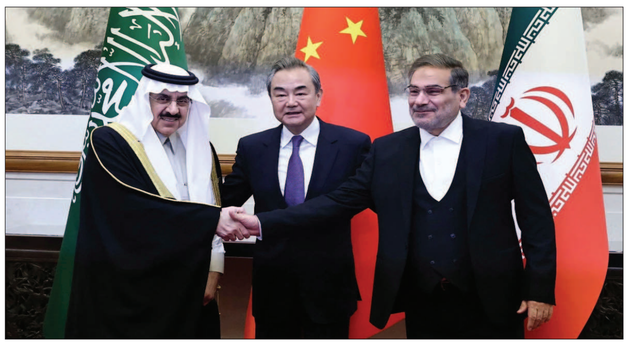

आमंत्रित किया गया है, जो रमज़ान के बाद होने वाली यात्रा की योजना है।

रियाद में एक प्रमुख मौलवी को फांसी दिए जाने के बाद इस्लामिक गणतंत्र में प्रदर्शनकारियों द्वारा सऊदी राजनयिक मिशनों पर हमला किए जाने के बाद दोनों देशों ने संबंध तोड़ लिए। बीजिंग में समझौते पर पहुंचने से पहले मध्य पूर्व के दो महाशक्तियों ने इराक और ओमान में कई दौर की बातचीत की थी, ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी और उनके सऊदी समकक्ष मुसाद बिन मोहम्मद अल-ऐबन के बीच पांच दिनों तक बातचीत हुई थी।

पेंटागन के कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स सोशल मीडिया पर लीक

-बाइडेन सरकार की हुई किरकिरी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स सोशल मीडिया पर लीक हुए हैं। इस लेकर बाइडेन सरकार में खलबली मची हुई है। तीन अमेरिकी अधिकारियों की ओर से कहा गया है, कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां इसकी समीक्षा कर रही है, कि आखिर सरकार के सबसे संवेदनशील रहस्य बाहर आ गए। दरअसल 2013 में विकीलीक्स पर हजारों दस्तावेजों के लीक होने के बाद ये लीक अमेरिकी सरकार की सूचनाओं का सबसे नुकसानदायक लीक साबित हो सकता है। पूरे मामले पर अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि देश हाल ही में संवेदनशील सूचनाओं के कथित लीक होने की जांच तब तक करता रहेगा जब तक स्रोत की पहचान नहीं हो जाती।

अमेरिका के कुछ कथित रूप से लीक खुफिया दस्तावेजों में सामने आया है कि रूस के खुफिया अधिकारियों ने तेल समृद्ध संयुक्त अरब अमीरात को अमेरिका एवं ब्रिटेन की खुफिया एजेंसियों के खिलाफ काम करने के लिए राजी कर लिया था। अरब देश ने आरोप को झूठा बताकर खारिज किया कि यूएई ने रूस की खुफिया एजेंसी के साथ अपने रिश्ते गहरे किए हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका ने न केवल जेलेंस्की बल्कि साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल और उनके दो सबसे बड़े अधिकारियों की भी जासूसी की है। अमेरिका ने दोनों अफसरों के बीच हुई एक बहस को सुना है। जिसमें उनके बीच यूक्रेन को हथियार देने पर बहस हो रही थी। इनमें से एक अधिकारी का कहना था कि वहां यूक्रेन की बजाए पोलैंड को हथियार देकर ये साबित कर सकते हैं कि वहां अमेरिका के दबाव में नहीं आए हैं।

भारतीय तेजस फाइटर जेट का मुरीद हुआ बोत्सवाना

-एचएएल के साथ बातचीत शुरू की

गैब्रोन (एजेंसी) चीन में बने फाइटर जेट से चौतरफा घिरा अफ्रीकी देश बोत्सवाना अब भारतीय तेजस फाइटर जेट का मुरीद हो गया है। बोत्सवाना की सेना ने भारत की सरकार कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ बातचीत शुरू की है। एचएएल ही तेजस फाइटर जेट को बनाती है। रिपोर्ट के मुताबिक बोत?सवाना की सेना कई तेजस फाइटर जेट खरीदना चाहती है। बोत्सवाना अगर भारत के साथ तेजस फाइटर जेट की डील करता है, तब यह पीएम मोदी के हथियारों के निर्यात करने की दिशा में बड़ा कदम होगा। रिपोर्ट के मुताबिक बोत्सवाना की सेना ने कई बार भारत के तेजस फाइटर जेट में अपनी रुचि दिखाई है। साल 2013 से ही बोत्सवाना की सेना अपने पुराने पड़ चुके फाइटर जेट को बदलना चाहती है। अभी बोत्सवाना कनाडा के सीएफ-5ए फाइटर जेट का इस्तेमाल करती है, इस साल 1996 में कनाडा से खरीदा था। बोत्सवाना को अपने पड़ोसी देशों से खतरा बढ़ता जा रहा है, इसकारण वह अपने विमानों को बदलना चाहती है। बोत्सवाना का पड़ोसी देश जांबिया मिग-21 के अत्याधुनिक संस्करण का इस्तेमाल कर रही है। वहीं नामिबिया ने चीन से 12 चेंगदू एफ-7एनएम विमान खरीदे हैं, जो रूस के मिग-21 की नकल है। चीन ने इसमें काफी सुधार किया है। यही जिंब्बावे ने भी साल 2004 में चीन को एफसी-1 फाइटर जेट के लिए ऑर्डर दिया था। बोत्सवाना ने बार-बार आरोप लगाया है कि पड़ोसी देशों की वायुसेना उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करती है। इससे पहले साल 1990 में दक्षिण अफ्रीका के लड़ाकू हेलिकॉप्टरों ने बोत्सवाना के मिलिट्री बेस पर हमला किया था। बोत्सवाना की दुश्मनी मुख्य रूप से द.अफ्रीका और जिंब्बावे से है। बोत्सवाना ने दक्षिण अफ्रीका से लगती सीमा के पास ही अपने फाइटर जेट को तैनात कर रखा है जो केवल दिन में ही बढ़िया लड़ सकते हैं। बोत्सवाना की वायुसेना की शुरुआत 1977 में हुई थी। उस समय देश में घरेलू हालात खराब हो गए थे और अस्थिरता बढ़ गई थी। बीडीएफ ने पहले अपने पुराने विमानों को अपग्रेड करने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उसने तेजस पर बातचीत शुरू कर दी है। बोत्सवाना ने इसके पहले दक्षिण कोरिया के एफए-50 विमानों को खरीदने की इच्छा जताई थी लेकिन बाद में उसने अपने प्लान को बदल दिया। इसके अलावा बोत्सवाना की सेना ने अमेरिका के इस्तेमाल किए गए एफ-16 विमानों को खरीदने का इरादा जताया था लेकिन अमेरिकी कंपनी ने इसकी मंजूरी नहीं दी थी।

अमेरिकी सेना को चीन का खुला चैलेंज, ताइवान की मदद के लिए पहुंचने से पहले ही हमारी मिसाइलें सबकुछ बर्बाद कर देगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। ताइवान मुद्दे पर चीन ने अमेरिका को धमकी दी है। पिछले कुछ दिनों में ताइवान को लेकर चीन काफी आक्रामक रहा हैं। बता दें ताइवान पर अमेरिका समेत पश्चिमी देश ये कहते रहे हैं कि इस मुद्दे को बातचीत से सुलझाने की जरूरत है। दरअसल, ताइवान के करीब अमेरिका की मौजूदगी ज्यादातर उसके युद्धपोत और एयर क्राफ्ट कॅरियर के कारण है। चीन ने धमकी देते हुए कहा है कि ताइवान की मदद के लिए पहुंचने से पहले ही उसकी कॅरियर किलर

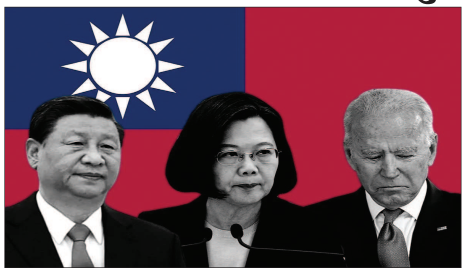

मिसाइलें अमेरिकी सेना को बर्बाद कर देंगी। इस बीच, चीन की इस धमकी ने दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बाधा दिया है। दरअसल, चीन की सेना ने ताइवान की सीमा के करीब युद्धाभ्यास किया था। चीन के युद्धपोत और फाइटर जेट ताइवान के चारों ओर घूम रहे हैं। चीन का ये युद्धाभ्यास ताइवान के राष्ट्रपति साई इंग वेन की अमेरिका यात्रा के बाद हुआ था। ताइवान की राष्ट्रपति ने अमेरिकी हाउस के स्पीकर केविन मैकार्थी से मुलाकात की थी। चीन की सेना के अभ्यास के दौरान चीनी मीडिया ने ताइवान को तबाह करने की धमकी दी है। ग्लोबल टाइम्स के एक संपादकीय में लिखा गया कि पीएलए ताइवान के मामले में किसी भी विदेशी हस्तक्षेप के लिए 100 फीसदी तैयार है।

उइगर मुस्लिमों के रोजे पर चीन का बैन, पुलिस कर रही जासूसों का इस्तेमाल

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया भर के मुसलमान रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत के साथ ही रोजा रखने लगे हैं। चीन के मुसलमानों को रोजा रखने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। चीनी पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए जासूसों का उपयोग कर रही है कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान उइगर मुसलमान उपवास नहीं कर रहे हैं। जिसमें उनके अपने जातीय समूह के सदस्य भी शामिल हैं। पूर्वी झिंजियांग उइघुर स्वायत्त क्षेत्र में तुर्पन या चीनी में तुलुफान के पास एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जासूस चीनी अधिकारी ÷कान÷ कहते हैं और आम नागरिक, पुलिस अधिकारी और समितियों के सदस्यों से चुने गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार तुरपन में पुलिस स्टेशनों ने प्रत्येक गांव से दो या तीन जासूसों को रहवासियों की जासूरसी के लिए चुना है, जिन्हें पहले रमजान के दौरान रोजा रखने के लिए हिरासत में लिया गया था। जासूस जेल से रिहा हुए लोगों पर भी नजर रख रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने आरएफए को बताया कि ये कान तीन क्षेत्रों से है, आम नागरिक, पुलिस और समितियां। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मेरे वर्कप्लेस पर 70 से 80 उइगर पुलिसकर्मी हैं जो या तो सीधे कान के रूप में काम करते हैं या अन्य जासूसों का नेतृत्व करते हैं।

चीन ने 2017 में रमजान के दौरान शिनजियांग में मुसलमानों के उपवास पर प्रतिबंध लगाना शुरू

कर दिया, जब उइगर संस्कृति, भाषा और धर्म को कम करने के बड़े प्रयासों के बीच अधिकारियों ने मनमाने ढंग से उइगरों को 'पुनः शिक्षा' शिविरों में बंद करना शुरू कर दिया। 2021 और 2022 में प्रतिबंध में आंशिक रूप से ढील दी गई थी, जिससे 65 से अधिक लोगों को उपवास करने की अनुमति मिली, और पुलिस ने घरों की तलाशी और सड़क पर गश्त गतिविधियों की संख्या कम कर दी।

आईएमएफ ने लगाया पाक की जीडीपी 2 से घटाकर 0.5 फीसदी होने का अनुमान

-पाकिस्तान के लिए है बुरी खबर, बढ़ने वाली है बड़ी मुसीबत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। । पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति निराशाजनक बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की तरफ से भी राहत पैकेज पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस स्थिति के बीच ही आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान की जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर को लेकर जो आंकड़ा जारी किया है, वह निराशा को बढ़ाने वाला है। आईएमएफ ने जीडीपी के अनुमान को 2 से घटाकर 0.5 फीसदी कर दिया है। मंगलवार को जारी हुई नई रिपोर्ट में आईएमएफ की तरफ से यह अनुमान लगाया गया है।

संगठन ने पहले अनुमान लगाया था कि वित्त वर्ष 2024 में देश की जीडीपी वृद्धि दर 3.5 फीसदी रहेगी, जबकि जनवरी में जारी अपनी अंतिम रिपोर्ट में आईएमएफ ने जीडीपी अनुमान को घटाकर 2 फीसदी कर दिया था जो कि पहले 3.5 फीसदी थी। आईएमएफ की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की तरफ से मापी गई महंगाई जो वित्त वर्ष 2023 में करीब 27.1 फीसदी तक दर्ज की गई थी, वित्त वर्ष 2024 में 21.9 फीसदी तक पहुंच जाएगी। इस बीच चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2023 और 2024 में 2.3 फीसदी से 2.4 फीसदी पर रहने का अनुमान लगाया गया है।

विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक ने भी पाकिस्तान की विकास दर के अनुमानों को 0.4 फीसदी से 0.6 फीसदी तक बताया था। इन बैंकों के अनुमानों के कुछ ही दिन बाद आईएमएफ की रिपोर्ट आई है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था सुधार के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि देश में महंगाई एक दशक बाद उच्च स्तर पर है। कई कंपनियों ने भी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए ऑपरेशन बंद कर दिए हैं या फिर प्रोडक्शन कम कर दिया है। आईएमएफ की तरफ से बेलआउट जारी होने में देरी की स्थिति को और मुश्किल बना रही है।

पाक में बिक रहे केले 400 रुपए दर्जन तो सेब 450 रुपए किलो

पाकिस्तान की स्थिति दिन-प्रतिदिन और खराब होती जा रही है। देश में महंगाई रोज नए रिकॉर्ड बना रही है। रमजान के इस महीने में रोजा खोलने में भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां केले 400 रुपए दर्जन हैं तो सेब 450 रुपए किलो बिक रहा है। वहीं प्याज की कीमतों में भी इजाफा हुआ है और यह 200 रुपए किलो बिक रहा है। आटा, दूध, चावल, मीट और चिकन तक आम लोगों

की पहुंच से बाहर हो गए हैं। कुछ लोग एक दिन का खाना दो दिनों तक खाने को मजबूर हैं। वहीं अभिभावक भी अब पैसे बचाने के चक्कर में बच्चों को अच्छे इंग्लिश मीडियम स्कूल से निकालकर सरकारी उर्दू माध्यम में पढ़ा रहे हैं, ताकि फीस की रकम में बचत की जा सके।

संपादकीय

क्या हो आज की शिक्षित महिलाओं की प्राथमिकता

शिक्षा आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। शिक्षा में वर्षों वर्षों से तपकर जो नवनीत हमारे सामने आता है । वह बहुत महत्वपूर्ण होता है । महिला भी आज कन्धे से कन्धा मिलाकर सब जगह सबके साथ हर क्षेत्र में चल रही है । शिक्षित महिलाओं की प्रथम प्राथमिकता अपने परिवार के प्रति समर्पण होना चाहिये । यह ऐसा समर्पण है जो कही शब्दों में उच्चारित नहीं किया जा सकता है । गृहपति -गृहलक्ष्मी कहें या गृह स्वामी-ग्रह स्वामिनी या फिर पुरुष और औरमहिला , किसी भी सम्बोधन से सम्बोधित करें ,दोनो एक रथ के दो पहिये हैं । एक दूसरे के बिना अधूरे हैं दोनों मिलकर सम्पूर्ण है।जहां परिवारों में सन्तुलन रहता है दोनों के बीच वहां परिवार खुशहाल रह सकते हैं।अफसोस !हमारी भारतीय संस्कृति ने महिलाओं के सम्मान में लिखने तक सिर्फ सम्मान दिया है । व्यवहार के धतल पर पुरुष प्रधान संस्कृति रही है।अधिकांश परिवारों में महिलसों को वो सम्मान नहीं मिल पाया है । उनको ये कह कर दबाया जाता है कि तुम करती ही क्या हो।महिलाओं के प्रति सम्मान भरे चिंतन से पुरुषों के अंदर सम्मान की प्रेरणा जागृत करते हो ,बहुत अच्छा लगता है,सभी इसका अनुकरण करें ,यह विचारणीय है। आज मानसिकता बदल रही है । वैसे भारतीय संस्कृति पुरुष प्रधान रही है उनकी सोच,विचारधारा थोड़ा पुरुषवर्ग के प्रभुत्व की रही है लेकिन घर में अनुशासन के नजरिये से कुछ हद तक ठीक रही है।जहां औरतों को सम्मान की नजर से नहीं देखा जाता वो बहुत चिंतनीय विषय है ।आजकल पढ़े लिखे होने से पहले से कम है औरतों को समझने में नासमझी दिखाने की।अपने अपने क्षेत्र में पुरुषहो या महिला ,सबकी अहम भूमिका है । सबके सहयोग से घर परिवार चलता है दोनों के सहयोग की अपेक्षा होती है घर परिवार चलाने में।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सौरमंडल से बाहर जीवन की उम्मीदें

मुकुल व्यास

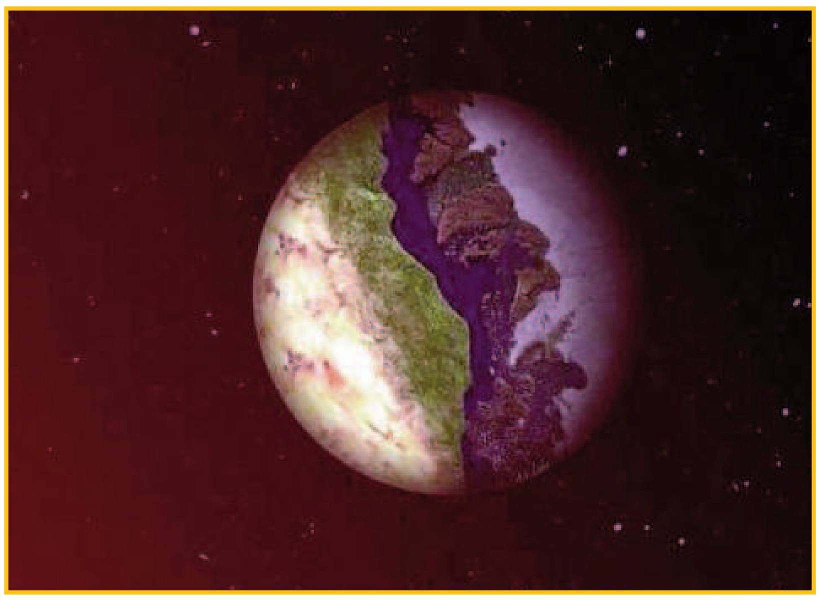

ब्रह्मांड में क्या सचमुच एलियंस मौजूद हैं? और यदि हैं तो वे कहां छिपे हुए हैं? ये प्रश्न हमें हमेशा अचंभित करते रहते हैं। पारलौकिक जीवन की उपस्थिति के बारे में खगोल वैज्ञानिक नई-नई संभावनाओं पर विचार करते रहते हैं। अब उनका ध्यान हमारे सौरमंडल से बाहर कुछ ऐसे ग्रहों की तरफ गया है जिनका एक भाग हमेशा अपने सूरज की तरफ रहता है। ऐसे ग्रहों का दूसरा भाग स्थायी रूप से अंधेरे में रहता है। भला ऐसे ग्रहों पर जीवन कैसे हो सकता है जहां दिन वाले भाग में झुलसा देने वाली गर्मी पड़ती हो और रात वाले हिस्से में बर्फीली ठंड पड़ती हो। यह एक असंभव सी बात है। खगोल वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि ऐसे ग्रहों पर दिन और रात को विभाजित करने वाली एक पट्टी होती है। उन्होंने इस पट्टी का नाम 'टर्मिनेटर जोन' रखा है। उनका कहना है कि पारलौकिक जीव इन ग्रहों के टर्मिनेटर जोन में छिपे हो सकते हैं क्योंकि यहां न ज्यादा गर्मी होती है और न ज्यादा ठंड। हमारे सौर मंडल के बाहर के कई ग्रह ज्वारीय रूप से बंधे हुए हैं। इसका अर्थ यह है कि इन्हें एक तरफ हमेशा उस तारे का सामना करना पड़ता है जिसकी वे परिक्रमा करते हैं और दूसरी तरफ स्थायी अंधकार रहता है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के खगोल वैज्ञानिकों ने पाया कि इन ग्रहों के चारों ओर एक पट्टी है जो तरल पानी को रोकने में सक्षम हो सकती है। इस अध्ययन की प्रमुख लेखक और खगोल वैज्ञानिक डॉ. एना लोबो ने कहा कि ऐसे ग्रह पर दिन का भाग झुलसाने वाला हो सकता है और रात का पक्ष बर्फ से ढका हुआ हो सकता है। अतः यहां परिस्थितियां किसी भी दृष्टि से जीवन के लिए अनुकूल नहीं हैं। हमें एक ऐसा ग्रह चाहिए जो तरल पानी रखने के लिए सही तापमान के अनुकूल स्थान पर हो। द्रव्यमान वाले किसी भी पिंड में गुरुत्वाकर्षण होता है। जितना अधिक द्रव्यमान होता है, उसका गुरुत्वाकर्षण खिंचाव उतना ही अधिक होता है। किसी तारे की परिक्रमा करने वाले ग्रह के मामले में तारे का गुरुत्वाकर्षण बल ग्रह को अपनी ओर खींचता है, जबकि ग्रह का अपना गुरुत्वाकर्षण भी उसे तारे की ओर खींचता है। किसी भी ग्रह के कक्षा में बंधने से पहले उसका कक्षीय पथ गुरुत्वाकर्षण बलों के संयोजन के साथ-साथ उसकी गति और दिशा से निर्धारित होता है। यदि कोई ग्रह किसी तारे के बेहद करीब परिक्रमा करता है, तो तारे का गुरुत्वाकर्षण ग्रह के आकार को विकृत कर सकता है, इसलिए यह एक तरफ उभर जाता है। ज्वारीय रूप से बंधे हुए बाहरी ग्रह के एम श्रेणी के बौने तारों के आसपास मौजूद होने की संभावना अधिक होती है। एम श्रेणी का लाल बौना तारा हमारे सूर्य से ठंडा और छोटा होता है। छोटे तारे अपनी कक्षा में छोटे बाहरी ग्रहों को पकड़ने की अधिक संभावना रखते हैं। छोटे ग्रह बड़े ग्रहों की तुलना में ज्वारीय बलों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। रात के आकाश में दिखने वाले तारों में करीब 70 प्रतिशत एम श्रेणी के तारे हैं। अतः ज्वारीय रूप से बंधे हुए ग्रह अपेक्षाकृत सामान्य हैं। द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित अपने अध्ययन के लिए शोधकर्ता यह पता लगाना चाहते थे कि क्या इन ग्रहों में जीवन को बनाए रखने की स्थिति है। उन्होंने अपने कंप्यूटर मॉडल में ज्वारीय रूप से बंधे हुए बाहरी ग्रहों की जलवायु का अनुकरण किया। उन्होंने इन ग्रहों के टर्मिनेटर जोन के चारों ओर एक सही क्षेत्र को उजागर किया जो तरल पानी को धारण कर सकता था और जीवन के अस्तित्व को सक्षम बना सकता था। हालांकि ऐसा तभी संभव है जब ग्रह पर बहुत सारी भूमि हो। यदि यह काफी हद तक समुद्र में ढका हुआ है तो दिन के समय पानी वाष्पित हो जाएगा और ग्रह को वाष्प में ढक देगा। इससे टर्मिनेटर ज़ोन का तापमान बदल जाएगा और यह रहने योग्य नहीं रह जाएगा। इस अध्ययन की सह-लेखक डॉ आओमावा शील्ड्स ने कहा,अगर ग्रह पर बहुत सारी जमीन है,तो टर्मिनेटर जोन की आवास योग्यता वहां बहुत आसानी से मौजूद हो सकती है। ये नए आवास योग्य स्थान बताते हैं कि ये अब साइंस फिक्शन की सामग्री नहीं है। ऐसे क्षेत्र जलवायु की दृष्टि से स्थिर हो सकते हैं। डॉ. लोबो ने कहा, हम और अधिक जल-सीमित ग्रहों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं,जहां बड़े महासागर नहीं होने के बावजूद झीलें या तरल पानी के अन्य छोटे जलाशय हो सकते हैं। ऐसे ग्रहों की जलवायु वास्तव में बहुत ही आशाजनक हो सकती है। इस खोज का अर्थ है कि बाहरी ग्रहों पर जीवन के संकेतों की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि पारलौकिक प्राणी ग्रहों के विशिष्ट क्षेत्रों में भी छिपे हो सकते हैं। नए अध्ययन ने उन ग्रहों के दायरे को भी बढ़ा दिया है जहां जीवन खोजा जा सकता है। इस बीच, खगोल वैज्ञानिकों ने महज 31 प्रकाश वर्ष दूर एक पृथ्वी जैसा ग्रह खोजा है जिस पर जीवन हो सकता है। इसका नाम 'वुल्फ 1069 बी' रखा गया है। इसका द्रव्यमान पृथ्वी के समान है और जिस दूरी से वह अपने तारे की परिक्रमा करता है वह तरल पानी की उपस्थिति के लिए अनुकूल है। खगोलविदों द्वारा जुटाए गए प्रमाणों से पता चलता है कि इस ग्रह पर एक वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र हो सकता है। साथ ही वहां शाश्वत दिन और रात भी हो सकते हैं । जर्मनी में मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉमी (एमपीआईए) के खगोलविद जैविक चिह्नों की तलाश में बाहरी ग्रहों का अध्ययन कर रहे हैं। वुल्फ 1069 बी अब तक पाए गए जीवन-संभावित एक दर्जन ग्रहों में से एक है, हालांकि हम अभी भी ऐसे ग्रहों को करीब से देखने में सक्षम होने से दस साल दूर हैं। ऐसा माना जाता है कि चिली में निर्माणाधीन एक्सट्रीमली लार्ज टेलीस्कोप (ईएलटी) से इन ग्रहों को नजदीक से देखने में मदद मिल सकती है। पूरा होने पर यह दुनिया का सबसे बड़ा ऑप्टिकल टेलीस्कोप होगा। यह इस समय इस्तेमाल किए जा रहे पर्यवेक्षण उपकरणों से लगभग पांच गुना बड़ा है। यह टेलीस्कोप पृथ्वी जैसे छोटे ग्रहों को खोजने में सक्षम होगा। पिछले साल नासा ने कहा था कि हम अभी सौर मंडल के बाहर 5,000 से अधिक ग्रहों की उपस्थिति का पता लगा चुके हैं। इनमें बृहस्पति से कई गुना बड़े गैस-प्रधान ग्रह और अपने तारों के चारों ओर चिलचिलाती नजदीकी कक्षाओं में 'हॉट ज्यूपिटर' शामिल हैं। पृथ्वी के समान आकार के छोटे, चट्टानी संसार भी हैं जो आवास योग्य क्षेत्र में अपने मेजबान तारे की परिक्रमा करते हैं।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

संस्कारों की दृढ़ता से कुसंगति से मुक्ति

दिनेश चमोला 'शैलेश'

जीवन के विकास तथा व्यक्तित्व के निर्माण में पास-परिवेश एवं सामाजिक स्थितियों की महती भूमिका होती है। जिस परिवेश में मनुष्य, बचपन से जीवन यापन करता चलता है, संस्कारों से उस उर्वरा भूमि से ही वह जहां कुछ न कुछ सीखता है, वहीं सक्षम होने पर कुछ न कुछ नैसर्गिक रूप से उसे भी गुणात्मक रूप में लौटाता भी रहता है।

संगति अथवा कुसंगति का प्रभाव, मानवीय चरित्र के विकास व ह्रास की दिशा व दशा को सुधारने अथवा बिगाड़ने में पूर्ण रूप से सहायक होता है।

संगति की किसी भी मनुष्य के जीवन-विकास अथवा जीवन-लक्ष्य निर्धारण में अपूर्व भूमिका होती है। जिस तरह की संगति में हम रहते हैं, वैसी ही गुणात्मकता अथवा निकृष्टता नैसर्गिक रूप से हमारे चरित्र को आच्छादित कर देती है और धीरे-धीरे हम उसके समकक्ष अथवा उसी श्रृंखला में अग्रिम स्थिति में आने या लक्ष्य पाने के उत्प्रेरित अथवा बाध्य हो जाते हैं।

कुसंगति का दंश, संगति के सुखद सहचर्य से अधिक भयावह, विषाक्त व कलुषित करने वाला होता है। कभी-कभी गुणात्मकता पास-परिवेश को उतनी तीव्रता से प्रभावित नहीं कर पाती, जितनी कि अवगुणों की नकारात्मकता। एक अवगुण, सौ गुणों के महत्व को भी धूल-धूसरित करने में देर नहीं लगाता। कलियुग में गुणात्मकता, पुण्य, सत्य व आदर्श का प्रसार जितनी धीमी गति से होता है, उसकी अपेक्षा असत्य, पाप, अवगुण व नकारात्मकता का प्रभुत्व, प्रभाव व प्रसार, तीव्रतर गति से होता है।

सत्य, को सत्य सिद्ध करने के लिए एकमात्र सत्य ही होता है, जबकि एक असत्य, सत्य को असत्य सिद्ध करने के लिए सैकड़ों सत्यों की सप्रमाण रचना कर देता है।

यह बात दीगर है कि अंततः 'सत्यमेव जयते' यानी 'सत्य ही विजयी होता है।' लेकिन यह अवश्य है कि अवगुण की संगति करने पर महिमा गुण की घटती है। संसार में अपात्र, अयोग्य, दुर्जन व नीच का संग करने से किसको हानि नहीं हुई है ? स्वयं महासमुद्र तक व्यभिचारी रावण के पड़ोसी होने पर स्वयं को कलंकित महसूस करता है। इसीलिए कविवर रहीम कुसंगति के दुष्प्रभाव के दंश को इन शब्दों में निरूपित करते हैं :-

बसि कुसंग चाहत कुसल, यह रहीम अफसोस।
महिमा घटी समुद्र की, रावण बसा परोस॥

कुसंगति के प्रभाव से जहां गुणात्मकता कलुषित होती है, वहीं असत्य व अवगुणों को सीना फुलाकर अन्यान्य मार्गों में आगे बढ़ने के अवसर मिल जाते हैं। इससे सत्य जहां कु-परिभाषित होकर झूठ के कटघरे में खड़े हो जाने के लिए बाध्य हो जाता है, वहीं असत्य एवं अवगुण को गरिमा, महत्व एवं उपादेयता की हांडी हाथ लग जाती है। जिस अनुपात में सज्जन के सत्संग से दुर्जन की गुणात्मकता का ग्राफ ऊपर की ओर बढ़ता है, उसी अनुपात में दुर्जन की संगति से सज्जन का चरित्र, व्यक्तित्व एवं गुणवत्ता क्रमशः कलंकित होती चली जाती है। जिस प्रकार मदिरा विक्रय करने वाला चाहे अपने हाथ में श्रेष्ठ दूध का पात्र ही क्यों न ले ले, लेकिन उसके ग्राहकों को उसमें भी मदिरा होने के भ्रम से मुक्त नहीं किया जा सकता। कुसंगति, उस जोक की तरह है जो उनकी गुणात्मकता के लहू को सोख कर ही दम लेती है। तभी तो विवश होकर रहीम को कहना पड़ता है :-

रहिमन नीचन संग बसि, लगत कलंक न काहि।
दूध कलारिन हाथ लखि, मद समुझहिं सब ताहि॥

ईश्वर, जीव के चरित्र, कर्म, चिंतन व संस्कारों के हिसाब से ही उसकी कोटि का निर्धारण करते हैं। यद्यपि हंस व कौवा दोनों जीव ही हैं किंतु विगत कर्मों की सकारात्मकता व नकारात्मकता ही उनके व्यक्तित्व को चारित्रिक दृष्टि से अलग-अलग रूप में परिभाषित करती है। दुर्जन व्यक्ति के चित्त का परिष्करण संभव नहीं है। किंतु सज्जन व्यक्ति सदैव चित्त व चिंतन की शुद्धि में विश्वास कर, स्वयं को परिमार्जित व परिशुद्ध करता रहता है। स्वयं कबीरदास कहते हैं :-

दाग जो लागा नील का, सौ मन साबुन धोय।
कोटि जतन पर बोधिये, काग हंस न होय॥

पापी, पाप करने के लिए अभिशप्त है; दुष्ट, दुष्टता के लिए और कृतघ्न, कृतघ्नता के लिए। इसलिए किसी की प्रकृति और प्रवृत्ति को, बिना उसकी जिज्ञासा, इच्छा व मनोवृत्ति के बदल पाना, नितांत कठिन है। जीवन की दुर्लभता व समय की उपादेयता का लाभ उठाते हुए कुसंगति के दंश से सदैव बचना चाहिए क्योंकि नीच व्यक्ति का नीच-कर्म से बाज आना संभव नहीं होता। कुसंगति के दुष्प्रभाव से किसका विनाश नही होता? नीचता ग्रहण करने से बौद्धिक चातुर्य समाप्त हो जाता है।

संस्कारों की दृढ़ता, व्यक्तित्व को अधिक निर्भय बनाती है। जितना-जिसके सदचिंतन एवं सदकर्म में दम होगा, उतना ही उसका प्रभुत्व अपने पास-परिवेश पर अधिक होगा। फिर कुसंगति का दैत्य उसका बाल-बांका भी नहीं कर सकेगा। यही तो कवि रहीम भी कहते हैं :-

जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग॥

विचार मंथन

वैचारिक मतभिन्नता का वीभत्स रूप

(लेखक - सनत जैन)

वैचारिक मतभेद का वीभत्स रूप भारत के घर-घर में देखने को मिल रहा है। वैचारिक मतभेद अब हिंसा के रूप में बदल रहा है। पहले धार्मिक आधार पर वैचारिक मतभेद को हिंसा का वातावरण बनाया गया। अब यह किसी भी विषय में मतभेद होने पर लोग हिंसा पर उतारू होने लगे हैं। पहली बार भारत में इसका वीभत्स रूप देखने को मिल रहा है। धार्मिक और राजनीतिक आधार की मत भिन्नता के बाद भी हम हजारों सालों से शांतिपूर्वक रहते आए हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमारी सामाजिक एवं व्य क्तिगत संवेदनशीलता पूरी तरह से खत्म होती जा रही है। धार्मिक एवं राजनीतिक आधार पर मत भिन्नता को लेकर जो हिंसक घटनायें सामने आ रही थीं, अब उसका परिणाम घर-घर में दिखने लगा है। अब हर व्यक्ति की आदत पड़ती जा रही है, कि लोग उसके हिसाब से कार्य करें। जब तक यह स्थिति राजनीतिक और धार्मिक आधार पर थी, तब तक इसका बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ा था। अब यह फर्क घर-घर में देखने को मिलने लगा है। लोग अपनी जिम्मेदारियां भूल कर घर और परिवार में भी अपने विचारों के अनुसार सारे लोगों को चलाना चाहते हैं। जिसके कारण घर घर में झगड़े होना शुरु हो गए हैं। पिछले एक दशक में जिस तरह से लोगों की आक्रामकता बड़ी है। उसके कारण अब मनोविशेषज्ञों को भी चिंता होने लगी है। घर के लोग परेशान होने लगे हैं। पारिवारिक रिश्ते में तल्खी आने लगी है। परिवारों में भी हिंसक होने की घटनाएं बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। मनो चि कित्सकों के पास प त्नियां अपने प ति और बच्चों को लेकर पहुंच रही हैं। उनके प ति और बच्चे पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी से धा र्मिक हो रहे हैं। पा रिवा रिक जिम्मेदा रियों के स्थान पर उनका ज्यादा समय धा र्मिक गुरुओं, मो टिवेशनल स्पीकर एवं उत्तेजक राजनेताओं के वी डियो देखने के आदी हो गए हैं। वह आक्रामक भी हो रहे हैं। को विड के बाद यह मामले तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। बिना कुछ किए बहुत कुछ पाने की लालसा हमें आत्मनिर्भर की जगह दूसरों के ऊपर आश्रित रहने की प्रवृत्ति को बढ़ा रही है। इसमें सबसे सबसे बड़ी भूमिका धार्मिक आधार देवी-देवताओं, राजनेताओं, सरकारों पर आश्रित हो जाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस कारण सामाजिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों से लोग दूर होते जा रहे हैं। लोग भगवान भरोसे अथवा सरकार के भरोसे रहने के आदी होते जा रहे हैं। इसका असर पढ़ने वाले बच्चों पर भी पड़ रहा है। हर बात के लिए भगवान और सरकार के सामने गुहार लगाकर, यह मान लेते हैं कि हम जो कर सकते थे, वह कर लिया। जिसके कारण अब परिवारों में बिघटन की स्थिति दिखने लगी है। पति-पत्नी और बच्चों के रिश्ते खराब हो रहे हैं। घर का मुखिया असंवेदनशील होकर धार्मिक आधार पर समर्पित हो गया है। वह अपनी जिम्मेदारियों को भूलता जा रहा है। मनो-चिकित्सकों के पास इस तरह के मरीज आ रहे हैं। जो अपना अधिकांश समय टेलीविजन और मोबाइल पर धार्मिक डिबेट, मोटिवेशनल डिबेट और इंटरनेट की आभासी दुनिया से जुड़कर सपनों में खोए रहते हैं। वह अपनी बेरोजगारी और व्यवसाय की असफलता से हतोत्साहित होकर भगवान और सरकार के भरोसे बैठने के लिए आदी हो रहे हैं। उनका व्यवहार बदल रहा है। परिवार के आर्थिक और सामाजिक रिश्ते बिगड़ रहे हैं। पति पत्नी और बच्चों के संबंधों में भी इसका असर देखा जा रहा है। हर जगह असंवेदनशीलता और उग्रता बढ़ रही है। डर भय और लालच बढ़ता जा रहा है। कोई भी व्यक्ति एक दूसरे के विचार का सम्मान करने के लिए तैयार नहीं है। मनो चिकित्सकों के अनुसार हर व्यक्ति अपने विचारों के अनुसार चलाने की जो प्रवृत्ति समाज एवं प रिवार में बन रही है। उसके कारण सारी समस्याएं खड़ी हो रही है। राजनीतिक एवं धार्मिक आधार पर पिछले एक दशक में बड़ी तेजी के साथ वैचा रिक हिंसा बढ़ी है। विचारधारा के आधार पर लोग हिंसक होने लगे हैं। समान विचारधारा नहीं होने पर लोग हिंसक होकर उसका विरोध करने लगते हैं। जिसके कारण इसका असर प्रत्येक परिवार में पड़ता हुआ दिख रहा है। जिस तरह से भारत में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट से लोगों को गुजारना पड़ रहा है। उसके कारण यह तनाव और भी ज्यादा बढ़ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान मोबाइल के कारण हो रहा है। मोबाइल और इंटरनेट के जरिए सारी जानकारी और सूचनाएं मोबाइल पर आ रही हैं। लोग अपना काम धाम छोड़कर सबसे ज्यादा समय मोबाइल पर बिता रहे हैं। काम करने और सोचने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ खत्म हो रही है।

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। वाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय हैं - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रे लवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पंहुच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

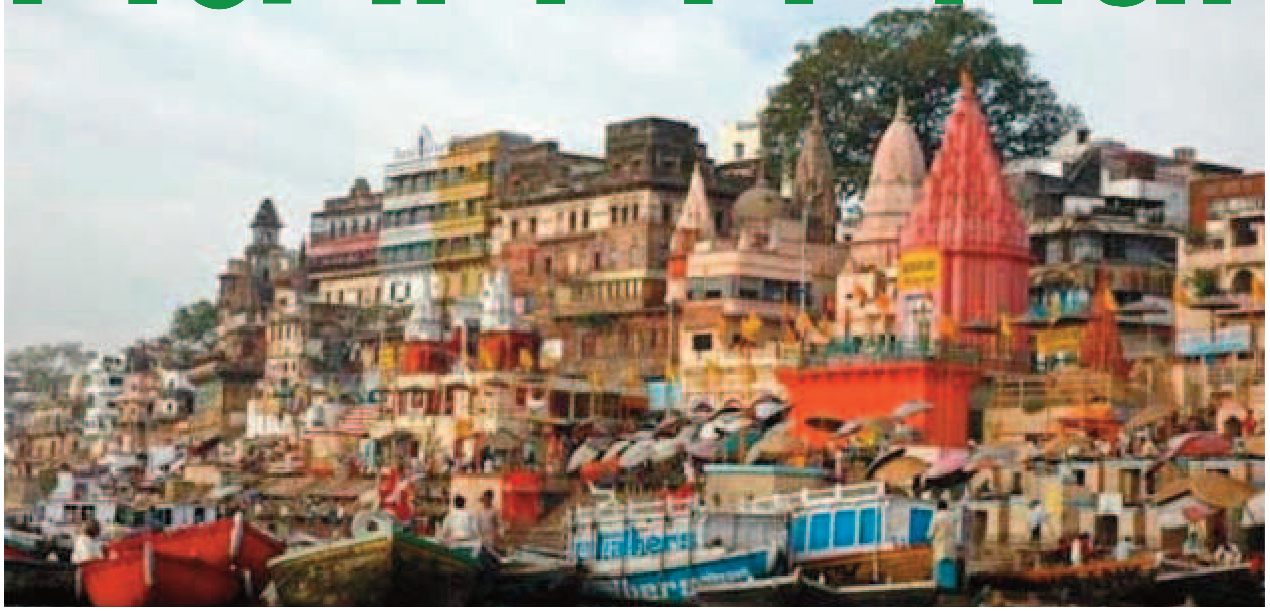

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी चर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्च्युरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दश्वमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्रांट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यही देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवीं शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धहकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट स्प्रिंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता है। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भ्रद की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेटिंग्स, पौराणिक चीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। कारोबार के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और वाहन शेयरों में हुई खरीददारी से बाजार में मजबूती आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 235.05 अंक करीब 0.39 फीसदी बढ़कर 60,392.77 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,437.64 तक उछला और 60,094.69 तक नीचे आया। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 90.10 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी कारोबार के अंत में 17,812.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,825.75 के उच्च स्तर और 17,717.25 के निचले स्तर तक गिरा। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। वहीं आज सुबह बाजार बढ़त के साथ हुआ। यह सिलसिल दिन भर जारी रहा। आज कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 17 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इंफोसिस, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स और टेक महिंद्रा सेंसेक्स के सबसे ज्यादा लाभ वाले शेयर रहे। वहीं इंफोसिस के शेयर करीब 1.48 फीसदी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 13 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट और

एसबीआई सेंसेक्स के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। पावर ग्रिड के शेयर करीब 1.58 फीसदी तक टूटे। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी रही। अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ हालांकि कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड 0.35 फीसदी ऊपर आकर 85.91 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के दाम में भारी तेजी रही। सर्राफा बाजार में 10 ग्राम सोना बढ़कर 61,080 रुपये पर पहुंच गया है। वहीं इस प्रकार सोना अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर एक किलो चांदी की कीमतों भी बढ़ी है और अब यह 75,780 रुपये में बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 330 रुपये ऊपर आकर 61,080 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। गत कारोबारी सत्र में सोना 60,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी की कीमत भी 840 रुपये की तेजी के साथ 75,780 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई।

छंटनी को लेकर पिचाई के बयान से गूगल कर्मचारियों में हालचाल

नई दिल्ली । गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई के ताजा बयान ने कंपनी के कर्मचारियों की चिंता बढ़ा दी है। इस साल की शुरुआत में 12000 कर्मचारियों को बाहर करने वाली कंपनी के सीईओ ने फिर इस ओर इशार किया है। पिचाई ने कहा है कि कंपनी अभी अपने जरूरी काम की ओर बहुत केंद्रित है और अभी कुछ करना बाकी है। उन्होंने कहा कि वह सबसे अहम कामों को प्राथमिकता दे रहे हैं और उसी अनुसार कर्मचारियों को व्यवस्थित किया जा रहा है। पिचाई ने छंटनी की बात पर ना हामी भरी और ना ही इनकार किया। हालांकि, उनकी बातों से साफ जाहिर था कि कंपनी निकट भविष्य में एक बार और छंटनी कर सकती है। पिचाई ने हाल में कहा था कि लक्ष्य कंपनी को 20 फीसदी अधिक क्षमतावान बनाना है। इससे जुड़े सवाल को लेकर उन्होंने कहा, हम जो भी करते हैं उसके हर पहलू पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर नतीजे देखने को मिले हैं लेकिन अभी काफी काम बाकी है। पिचाई ने कहा, हमारे पास अभी जो मौके हैं, उन पर हम पूरी तरह केंद्रित हैं, मुझे लगता है अभी काफी काम बाकी है। एआई को लेकर भी हम काफी अहम मोड़ पर है। जिसके तहत हम लोगों को सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम पर लगा रहे हैं और यह काम लगातार जारी है। हम कई अलग-अलग रास्तों से इस लक्ष्य को पाने का प्रयास कर रहे हैं। हम स्थायी बचत बनाने की दिशा में केंद्रित हैं। हमने जो अब तक किया है उससे खुश हैं लेकिन अभी काफी काम बाकी है।

सेबी ने दिए निर्देश, निवेशकों को 'डायरेक्ट प्लान' में करें शामिल

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने खर्च में पारदर्शिता लाने और गलत तरीके से बिक्री पर लगाम लगाने के लिए वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) से निवेशकों को 'डायरेक्ट प्लान' का विकल्प देने को कहा है। इसके अलावा, सेबी ने कमीशन वितरण के लिए चरणबद्ध मॉडल शुरू करने को भी कहा है और एआईएफ के निवेश से किसी निवेशक को बाहर निकलने के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। नियामक ने कुछ उद्योग व्यवहार के संबंध में निजी नियोजन ज्ञापन (पीपीएम) में असंगतता और पर्याप्त खुलासे की कमी के मद्देनजर ये दिशानिर्देश जारी किए हैं। सेबी ने दो अलग-अलग परिपत्रों में कहा है कि नए नियमों का मकसद एआईएफ में निवेश के लिए निवेशकों को लचीलापन देना, खर्च में पारदर्शिता लाना और गलत बिक्री को रोकना है। 'डायरेक्ट प्लान' से संबंधित ढांचा एक मई से लागू होगा, जबकि एआईएफ निवेश से निवेशक को बाहर करने से संबंधित ढांचा तुरंत प्रभावी हो जाएगा।

टाटा नेक्सान ने 5 लाख यूनिट्स के प्रोडक्शन का माइलस्टोन हासिल किया

मुंबई । टाटा नेक्सान का नाम देश की लोकप्रिय सबकॉम्पैक्ट एसयूवी की लिस्ट में आता है। पिछले काफी समय से ये सबकॉम्पैक्ट एसयूवी लोगों के दिलों मे राज कर रही है। इसके लिए टाटा मोटर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर बताया कि निर्माता ने इसके 5 लाख यूनिट्स के प्रोडक्शन का माइलस्टोन हासिल कर लिया है। टाटा नेक्सॉन को 2017 में 5.85 लाख की कीमत पर लांच किया था। बीते छह सालों में कंपनी ने नेक्सॉन को अलग-अलग वेरिएंट्स में पेश किया। साल 2020 में नेक्सॉन को इलेक्ट्रिक मॉडल के रुप में भी पेश किया गया।यह सब कॉम्पैक्ट एसयूवी कई सारे फीचर्स के साथ मार्केट में उपलब्ध है। इसमें एयर प्योरिफिकेशन सिस्टम, रिर्वस कैमरा, कनेक्टेड कार टेक्नालाजी, वायस कमांड शामिल है। साथ ही इसमें अलग-अलग ड्राइविंग मोड्स दिए गए हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती और ऊंची मुद्रास्फीति का असर भारत पर होगा : पांडा

नई दिल्ली । मोदी सरकार द्वारा किए गए सुधारों और देश में कारोबार सुगमता की स्थिति को बेहतर करने के प्रयासों के बीच भारत एक अवसरों की भूमि के रूप में उभरा है। उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष सुभ्रकांत पांडा ने यह बात कही है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के अध्यक्ष ने कहा कि भारत आज जहां है, उसके कुछ कारक हैं। इसमें एक वजह यह है कि कोरोना महामारी के दौरान भी भारत में सुधार जारी रहे। पांडा ने कहा, आप अपनी योजनाओं में भारत के बिना वृद्धि के बारे में नहीं सोच सकते। यह उतना ही सरल है। लेकिन अगर मैं उसपर थोड़ा और विस्तार से कहूं, तब दुनिया में और कहां आपको ऐसा अवसर मिलेगा जहां आपके पास न केवल एक व्यापक एकीकृत घरेलू बाजार है, बल्कि इसतरह के संसाधन भी हैं, जिनके द्वारा न केवल घरेलू बाजार, बल्कि निर्यात के लिए भी उत्पादन किया जा सकता है।'' पांडा ने कहा, यहां भारत एक विशिष्ट प्रस्ताव की पेशकश करता है। चाहे आप एक बड़ी वैश्विक कंपनी हैं या एक स्थानीय इकाई, आप भारत के बिना अपने कारोबार को बढ़ाने के बारे में नहीं सोच सकते।'' पांडा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक के सिलसिले में भारत के उद्योगपतियों के फिक्की के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के प्रभाव से पूरी तरह उबर चुकी है। लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ऊंची मुद्रास्फीति का भारत पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कारोबार सुगमता की वजह से भारत आज वैश्विक स्तर पर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने को तैयार है।

एप्पल ने भारत से पांच अरब डॉलर के आईफोन निर्यात किए, कमाया तगड़ा मुनाफा

सैमसंग ने 3.5 से चार अरब डॉलर का निर्यात किया

मुंबई ।

दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एपल को भारत में अपने कारोबार से जबरदस्त मुनाफा हुआ है। अमेरिकी कंपनी एपल ने वित्तीय साल 2023 में भारत से पांच अरब डॉलर यानी करीब 40,000 करोड़ रुपये के आईफोन एक्सपोर्ट किए। यह वित्त वर्ष 2022 की तुलना में चार गुना अधिक है। बाजार जानकारों का कहना है कि एपल आईफोन भारत से पांच अरब डॉलर एक्सपोर्ट का आंकड़ा छूने वाला पहला ब्रांड है। चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को देखकर एपल ने पिछले कुछ सालों में भारत में आईफोन का प्रॉडक्शन तेजी से बढ़ाया है। वित्तीय साल 2023 में भारत से कुल 10 अरब डॉलर के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए गए। भारत ने किसी वित्तीय साल में पहली बार यह सफलता हासिल की है। एपल ने वित्तीय साल 2022 में भारत से 1.6 अरब डॉलर के आईफोन एक्सपोर्ट किए थे। हालांकि आईफोन के कुल प्रॉडक्शन में भारत की हिस्सेदारी अब भी महज पांच प्रतिशत हैं। ट्रेड एंड इंडस्ट्री के डेटा के मुताबिक दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग ने पिछले वित्त वर्ष में भारत से 3.5 से चार अरब डॉलर का निर्यात किया। भारत अब ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, मिडल ईस्ट, जापान, जर्मनी और रूस जैसे विकसित देशों को भी स्मार्टफोन का निर्यात कर रहा है। एपल 18 अप्रैल को मुंबई और 20 अप्रैल को दिल्ली में अपना रिटेल स्टोर खोलने जा रही है। इसके लिए कंपनी के सीईओ टिम कुक के भारत आने की संभावना है। इस बीच रिटेलर्स को आशंका है कि मुंबई और दिल्ली में एपल का स्टोर खुलने से उनके ग्राहकों की संख्या में 50 से 60 फीसदी तक गिरावट आ सकती है। आईफोन की कुल सालाना बिक्री में इन दो शहरों की हिस्सेदारी 20 फीसदी है।कुछ का कहना है कि एपल पहले अपने स्टोर्स के लिए स्टॉक रिलीज करेगी। इससे बाकी रिटेलर्स को नुकसान हो सकता है। हालांकि कंपनी के सूत्रों ने इस आशंका को खारिज किया है। उनका कहना है कि एपल के रिटेल स्टोर खोलने से पूरे रिटेल ईकोसिस्टम को फायदा होगा। कंपनी का कहना है कि नए रिटेल लोकेशंस से उसके

बिजनस का भारत में विस्तार होगा। 20 अप्रैल से भारत में कंपनी के ग्राहक नए प्रॉडक्ट्स को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी नवनीत पाठक ने कहा कि कंपनी नए लांच के दौरान दिल्ली और मुंबई में इसी तरह का हाइप क्रिएट करेगी। एपल के मौजूदा ग्राहक नया प्रॉडक्ट खरीदने से पहले इन स्टोर्स में जाना चाहेंगे। रिटेल स्टोर्स में सभी नए प्रॉडक्ट्स एक्सपीरिएंस के लिए शोकेस नहीं किए जाते हैं। इसलिए नए लांच के दौरान इन स्टोर्स में ग्राहकों की संख्या 50 से 60 फीसदी कम हो सकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कंपनी रिटेलर्स को पर्याप्त स्टॉक देगी? पाठक ने कहा कि एपल ने अब तक इस बारे में कोई बात नहीं की है।

एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज दरों में किया इजाफा

मुंबई ।

निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाले ब्याज दरों में फिर इजाफा किया है। बैंक ने 5 करोड़ रुपये या इससे ज्यादा राशि की एफडी के लिए ब्याज दरों को बढ़ाया है। अब 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि वाली बैंक एफडी पर आम ग्राहक को 5.5 फीसदी से 7 फीसदी वार्षिक दर से ब्याज मिलेगा। वहीं, बुर्जुगों को 5.5 से लेकर 7.75 फीसदी ब्याज बैंक देगा। नई ब्याज दरें 10 अप्रैल से लागू हो गई हैं।

एक्सिस बैंक के मौजूदा ग्राहक ऑनलाइन मोबाइल बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग के द्वारा एफडी अकाउंट खोल सकते हैं। इसके अलावा कस्टमर बैंक के नजदीकी ब्रांच जाकर भी यह काम कर सकते हैं। जो लोग बैंक से किसी भी तरह की सेवाएं नहीं लेते उन्हें एफडी अकाउंट खोलने के लिए बैंक की निकटतम ब्रांच में ही जाना होगा। एक्सिस बैंक इस साल फरवरी और मार्च में भी 2 करोड़ रुपये से कम राशि वाली फिक्स्ड डिपॉजिट्स की ब्याज दरों को बढ़ाया था। 5 करोड़ से लेकर 10 करोड़ तक की 7 दिन से 14 दिन में मैच्योर होने वाली एफडी पर ग्राहक को अब 5.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। 10 करोड़ से लेकर 24 करोड़ से कम की एफडी पर भी 5.50 फीसदी ब्याज दिया जाएगा। 15 दिन से 29 दिन की एफडी पर भी 5.50 फीसदी ब्याज बैंक देगा। 30 दिन से 45 दिन में मैच्योर होने वाली 5 करोड़ से लेकर 24 करोड़ से कम राशि वाली एफडी पर बैंक 5.55 फीसदी ब्याज देगा। 5 करोड़ से लेकर 24 करोड़ से कम राशि वाली 46 दिन से लेकर 60 दिन में पूरी होने वाली एफडी पर 5.80 फीसदी ब्याज मिलेगा। 1 साल से लेकर 1 साल 4 दिन की अविध में पूरी होने वाली एफडी पर 7.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। 2 साल से लेकर 30 महीने से कम की अवधि में मैच्योर होने वाली 5 करोड़ से लेकर 24 करोड़ रुपये से कम राशि वाली एफडी पर 7 फीसदी ब्याज मिलेगा। 30 महीने से लेकर 3 साल से कम अवधि की 5 करोड़ से ज्यादा राशि वाली एफडी पर बैंक ने अब 7 फीसदी ब्याज देने की घोषणा की है। 10 करोड़ से लेकर 24 करोड़ से कम राशि वाली एफडी पर भी 7 फीसदी ब्याज बैंक देगा। 3 साल से लेकर 5 साल कम अवधि वाली एफडी पर भी 7 फीसदी ब्याज मिलेगा।

रुपया तेजी के साथ बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तेजी के साथ बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में आज डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे ऊपर आकर 82.09 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.08 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के बदले तीन पैसे बढ़कर 82.09 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.01 के उच्चस्तर और 82.11 के निचले स्तर के बीच रहा। वहीं गत कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया 82.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।इसी बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी नीचे आकर 102.04 पहुंच गया। वहीं ब्रेंट क्रूड वायदा 0.32 फीसदी की तेजी के साथ 85.88 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत में तेल की कीमतों में फिर होगा इजाफा, आईईए ने दिए संकेत

पेरिस।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक फतह बिरोल ने कहा है कि सऊदी अरब, रूस और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के अन्य संगठन (ओपीईसी) द्वारा तेल उत्पादन में कटौती के फैसले के बाद भारत का तेल आयात बिल साल की दूसरी छमाही में बढ़ने की संभावना है। बिरोल ने कहा, सऊदी अरब, रूस और अन्य-ओपेक प्लस उत्पादकों ने तेल उत्पादन में कटौती करने का फैसला किया है। जब हम अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के विश्लेषण और तेल बाजारों को देखने वाली लगभग हर गंभीर संस्था के विश्लेषण को देखते हैं, तो इस साल की दूसरी छमाही में बाजार बहुत तंग होंगे। आईईए के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि भारत एक ऊर्जा आयातक देश है और अपनी खपत जरूरतों का अधिकांश तेल वह इम्पोर्ट करता है। इसलिए, प्रमुख उत्पादकों द्वारा तेल उत्पादन में कटौती का निर्णय सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था और इसके उपभोक्ताओं पर बोझ डालेगा। बिरोल ने कहा कि आने वाले वर्षों में तेल की कीमतों और

आपूर्ति सुरक्षा चिंताओं पर दबाव कम होगा, क्योंकि अधिकतर देश अब अपनी प्राकृतिक गैस का उत्पादन और निर्यात कर रहे हैं, जिससे बाजार में लिक्विड नेचुरल गैस (एलपीजी) का प्रवाह बढ़ेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से भारत वैश्विक तेल बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन गया है, जिसमें यूरोपीय संघ तेल सहित रूसी उत्पादों से परहेज कर रहा है। दूसरी ओर, भारत ने रूस से अपने कच्चे तेल के आयात को रियायती दरों पर बढ़ाया है। साथ ही डीजल और जेट ईंधन जैसे रिफाइंड तेल के रूप में पिछले दरवाजे से यूरोपीय देशों में अपने प्रवेश को सक्षम बनाया है। जनवरी में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का तेल आयात एक साल पहले की तुलना में 33 गुना अधिक बढ़ गया है।

रियलमी ने भारत में उतारा कई बेहतर फीचर्स के साथ सस्ता फोन

मुंबई । चीनी स्मार्टफोन कंपनी रियलमी ने भारत में अपने नए स्मार्टफोन रियलमी नेरजों एन55 को बुधवार को लांच किया है। इस फोन में 64 का प्राइमरी कैमरा, 90एचजेड रिफ्रेश रेट और 5000 एमएएच की बैटरी मिलती है। रियलमी नेरजों एन55 की शुरुआती कीमत 10,999 रुपये रखी गई है। फोन को प्राइम ब्लू कलर और प्राइम ब्लैक ऑप्शन में खरीदा जा सकता है। कंपनी ने बताया है कि स्मार्टफोन दो वेरिएंट में आएगा और ग्राहकों को 1,000 रुपये की तत्काल छूट मिल सकती है। रियलमी नेरजों एन55 में 6.72 इंच का एफएचडी डिस्प्ले मिलता है, जिसमें 90 एचजेड रिफ्रेश रेट और 680 नेट की पीक ब्राइटनेस मिलती है। फोन में आपको मीडियाटेक हीलियो जी 88 प्रोसेसर मिलता है, जिसमें 6जीबी तक रैम और 128जीबी तक स्टोरोज मिलता है। फोन में आपको डुअल कैमरा सेटअप दिया गया है, जिसमें 64 मैग्गापिक्सल का प्राइमरी कैमरा मिलता है। इस फोन में 16 मैग्गापिक्सल का फ्रंट-फेसिंग कैमरा भी दिया गया है। फोन में

33वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ 5000 एमएएच की बैटरी मिलती है। कंपनी का दावा है कि यह स्मार्टफोन इस सेगमेंट में अब तक का सबसे सस्ता फोन है।

देश में ईवी की मांग बढ़ने के लिए मोदी सरकार को कई सेक्टर में काम करना होगा : मूडीज

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार के प्रोत्साहन, स्थानीय स्तर पर बैटरी विनिर्माण, राज्यों के स्तर पर सब्सिडी और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से देश में बिजलीचालित (इलेक्ट्रिक) वाहनों की पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा कार बाजार है, लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की पैठ अभी सिर्फ एक प्रतिशत है। रिपोर्ट कहती है कि मोदी सरकार का 2030 तक बिजलीचालित वाहनों की पहुंच बढ़ाने का लक्ष्य चार्जिंग ढांचे और उपभोक्ताओं के परंपरागत पेट्रोल, डीजल वाहनों से इलेक्ट्रिक की ओर स्थानांतरित होने के रुख पर निर्भर करेगा।

मूडीज ने कहा, हमारा मानना है कि मोदी सरकार की विभिन्न पहल से देश में ईवी की पहुंच बढ़ेगी। इसमें उपभोक्ताओं को दिया जाने वाला प्रोत्साहन भी शामिल है। इसके अलावा एडवांस बैटरी स्टोरेज के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन, जीएसटी में कटौती और राज्यों द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी जैसे कारक भी ईवी की पहुंच बढ़ाने में मददगार साबित होने वाले हैं। भारत 2022 में जापान को पीछे छोड़कर चीन और

अमेरिका के बाद तीसरा सबसे बड़ा वाहन बाजार बन गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले महीने कहा था कि यदि भारत हाल में जम्मू-कश्मीर में मिले लिथियम भंडार का उपयोग कर सकता है, तब वह इलेक्ट्रिक वाहन खंड में दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाने वाली बैटरी बनाने में लिथियम एक महत्वपूर्ण तत्व है। मोदी सरकार का 2030 तक निजी कारों के 30 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों के लिए 70 प्रतिशत और दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए 80 प्रतिशत ईवी बिक्री का लक्ष्य है। मूडीज ने कहा कि टाटा मोटर्स 85 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अप्रैल-दिसंबर, 2022 में बैटरी ईवी बाजार में सबसे आगे है। मूडीज ने कहा कि 165 शहरों में 250 डीलरों के माध्यम से उपस्थिति और करीब 4,300 चार्जिंग पॉइंट के साथ कंपनी पहले ही 50,000 ईवी बेच चुकी है।

मस्क ने मना टिवटर को चलाना काफी दर्दनाक रहा

वाशिंगटन ।

एलन मस्क ने कहा कि उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर खरीदा क्योंकि उन्हें इस चलाना था और इस चलाना 'काफी दर्दनाक' रहा है। मस्क ने कहा कि चूंकि उन्होंने पिछले साल 44 अरब डॉलर के लिए मंच खरीदा था, विज्ञापनदाता या तब वापस आ गए हैं या उन्होंने कहा है कि वापस आएंगे। मस्क ने कहा कि जब उन्होंने कंपनी की कमान संभाली थी, तब इसमें केवल 8,000 कर्मचारी थे और कर्मचारियों की संख्या घटकर 1,500 रह गई हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को नौकरी से निकालना बिल्कुल अच्छा नहीं है और कभी-कभी यह दर्द भरा हो सकता है। ट्विटर खरीदने के बाद से मस्क ने टिवटर में कई बड़े बदलाव किए हैं। उन्होंने अमेरिका से बाहर की कम्युनिकेशन टीम सहित पूरी टीमों को बंद कर दिया है। कुछ मामलों में छंटनी अचानक हुई और लोगों ने खुद को अपने आधिकारिक ईमेल खातों से लॉग आउट पाया। मस्क ने इस बात को स्वीकार कर कहा कि वह हर किसी को व्यक्तिगत रूप से फायर नहीं करते हैं। मस्क ने कहा, इतने सारे लोगों के साथ आमने-सामने बात करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ट्विटर का लक्ष्य सबसे एक्यूरेट प्लेटफार्म होना है जो यह हो सकता है।

यह पूछने पर कि अगर कोई उन्हें 44 अरब डॉलर में ट्विटर को खरीदने की पेशकश करता है, तब क्या वह अब बेच देंगे, मस्क ने कहा कि वह ऐसा नहीं करुंगा। मस्क ने यह भी कहा कि ट्विटर पर लीगेसी वेरिफाइड ब्लू टिक अगले सप्ताह तक हटा दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि कोई भी सोशल मीडिया कंपनी जिसने सत्यापन के लिए भुगतान नहीं किया है, उन्हें एआई जैसी चीजों के साथ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

मोहाली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस की टीम गुरुवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से एक बार फिर जीत की राह पर आने के इरादे से उतरेगी। गुजरात का प्रयास इस मैच में जीत हासिल कर पिछले मैच में केकेआर टीम के रिंकू सिंह की तूफानी पारी के कारण मिली हार के सदमे से उबरना रहेगा। केकेआर के खिलाफ पिछले मैच में अंतिम ओवर के कारण ही गुजरात को हार झेलनी पड़ी थी। उस मैच में रिंकू ने अंतिम ओवर में पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। केकेआर के खिलाफ गुजरात टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा था। उस मैच में कप्तानी कर रहे राशिद खान ने हैट्रिक ली थी। इसके अलावा उसके बल्लेबाजों साइ सुदर्शन और विजय शंकर सहित सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद भी टीम को रिंकू की असाधारण पारी के कारण हार मिली थी। इस मैच में नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या की वापसी से टीम का मनोबल बढ़ेगा। पिछले मैच में हार्दिक फिट नहीं होने के कारण शामिल नहीं थे। इस मैच में गुजरात की राह आसान नहीं है क्योंकि पंजाब की टीम अपने घरेलू मैदान में उतरेगी। उसके कप्तान शिखर धवन भी अभी शानदार फार्म में हैं।

ऐसे में तीन मैचों में चार अंक लेकर अंकतालिका में चौथे स्थान पर कायम गुजरात को पंजाब के खिलाफ अच्छा खेल दिखाना होगा। गुजरात के पास बल्लेबाजी में शुभमन गिल, सुदर्शन और शंकर जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। विजयशंकर ने पिछले मैच में 24 गेंद में 63 रन बनाए थे। वहीं गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, जोश लिटिल, अलजारी जोसेफ और स्पिनर राशिद हैं।

अब तक आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आठ विकेट से मिली हार को छोड़ दें तो पंजाब ने अन्य मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के तेज गेंदबाज

अर्शदीप सिंह भी अच्छी लय में हैं जिनका सामना करना गुजराज के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। कप्तान धवन इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप के साथ ही टीम इंडिया के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ नाबाद 86 और केकेआर के खिलाफ 40 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

धवन और उनके युवा सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह ने पावरप्ले के ओवरों में पंजाब को अब तक अच्छी शुरूआत दी है और अब गुजरात के गेंदबाजों मोहम्मद शमी, हार्दिक व राशिद के खिलाफ भी वे इसी रणनीति से उतरेंगे। पंजाब के पास आईपीएल के सबसे महंगे स्टार खिलाड़ी सैम कुरेन के अलावा लियाम लिविंगस्टोन भी हैं। वहीं गेंदबाजी में अर्शदीप के अलावा नाथन एलिस जैसे खिलाड़ी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस: हार्दिक पांड्या (कप्तान), रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), शुभमन गिल, साई सुदर्शन, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, मोहम्मद शमी, जोशुआ लिटिल, यश दयाल, अल्जारी जोसेफ।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शाहरुख खान, सैम कर्रन, हरप्रीत बराड़, राहुल चाहर, कागिसो रबाडा, अर्शदीप सिंह।

गेंदबाजों को बार-बार चोट लगना 'अवास्तविक' और 'हास्यास्पद' है : शास्त्री

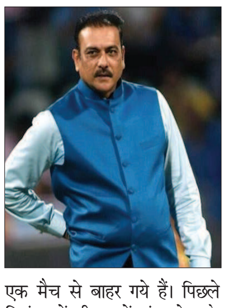

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने वरिष्ठ भारतीय गेंदबाजों को बार-बार लगने वाली चोटों पर निराशा जताते हुए कहा है कि किसी खिलाड़ी का इतनी आसानी से चोटग्रस्त होना 'अवास्तविक' और 'हास्यास्पद' है। शास्त्री ने यह टिप्पणी दीपक चाहर की नवीनतम चोट पर चर्चा के दौरान की। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले चाहर मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में सिर्फ एक ओवर फेंककर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए थे।

शास्त्री ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुपर किंग्स के घरेलू मैच से पहले ईएसपीएन क्रिकइंफो के एक कार्यक्रम में कहा, 'पिछले तीन या चार वर्षों में काफी खिलाड़ी ऐसे हैं जो एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के स्थायी निवासी बन गये हैं। जल्द ही, उन्हें वहां किसी भी समय चलने के लिये आवासीय मंजूरी मिल जाएगी, जो बिल्कुल भी अच्छी बात नहीं है। यह अविश्वसनीय है।'

पिछले पांच महीनों में चाहर हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण दूसरी बार अपने चार ओवर पूरे किये बिना एक मैच से बाहर गये हैं। पिछले दिसंबर में मीरपुर में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में चाहर ने तीन ओवर फेंकने के बाद मैदान छोड़ दिया था। इसके बाद वह बेंगलुरु में एनसीए में लौट आए, जहां उन्होंने लगभग अपना पूरा 2022 गुजारा था। चाहर एकमात्र ऐसे भारतीय तेज गेंदबाज नहीं हैं जिन्हें बार-बार चोट लगने के कारण लंबे समय तक दरकिनार किया गया। जसप्रीत बुमराह, नवदीप सैनी, कुलदीप सेन, मोहसिन खान और यश दयाल सभी हाल-फिलहाल में अलग-अलग समय पर क्रिकेट से दूर हुए हैं। शीर्ष भारतीय गेंदबाज बुमराह ने हाल ही में पीठ की सर्जरी भी करवाई है।

वनडे विश्व कप में श्रीलंका सीधा क्वालिफाई करने में रही नाकाम, क्रिकेट बोर्ड ने उठाया बड़ा कदम

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खेल मंत्री ने पूर्व दिग्गज सनथ जयसूर्या की अध्यक्षता में वनडे विश्व कप के लिए क्रिकेट टीम के सीधे क्वालिफिकेशन हासिल नहीं करने के कारणों की जांच के लिए एक तकनीकी समिति का गठन किया है। पिछले महीने हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में मिली हार के बाद श्रीलंका आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने में नाकाम रहा।

टीम तीन मैचों की श्रृंखला को 0-2 से हार गई थी खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने पिछले सप्ताह पूर्व दिग्गज सनथ जयसूर्या की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति नियुक्त की थी। इसमें तीन अन्य पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं। मंगलवार को समिति की पहली बैठक हुई। श्रीलंका की क्रिकेट टीम 1996 में खिताब जीतने के अलावा दो बार फाइनल विश्व कप के फाइनल में पहुंची है, लेकिन यह पहली बार है जब टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए सीधा क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रही।

टीम को 1996 में खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले हरफनमौला जयसूर्या ने कहा, ''हम टीम के कोचिंग दल से स्वत− क्वालीफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहने के कारणों के बारे में पूछेंगे। हम उन से चीजों को सुधारने के लिए एक अल्पकालिक योजना की मांग करेंगे। ये खिलाड़ियों का एक प्रतिभाशाली समूह है और उन्हें आत्मविश्वास देने की जरूरत है।÷ श्रीलंका 18 जून से नौ जुलाई तक जिम्बाब्वे में होने वाले क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन अक्टूबर नवंबर में होगा।

आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : शीर्ष स्थान के लिए तेज हुई जंग, सूर्यकुमार यादव शीर्ष पर कामय

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान के लिए जंग तेज हो गई है क्योंकि सूर्यकुमार यादव ने अपना नंबर बरकरार रखा है। नंबर 1 की स्थिति और पाकिस्तान की जोड़ी मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम को कार्यवाही के शीर्ष पर भारतीय बल्लेबाज को पछाड़ने का मौका मिल सकता है।

जहां सूर्यकुमार वर्तमान में 906 रेटिंग अंकों के साथ बल्लेबाजों की टी20आई रैंकिंग में शीर्ष पर हैं वहीं रिजवान 811 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। आईसीसी द्वारा बुधवार को अपडेट की गई रैंकिंग में बाबर 755 अंकों के साथ एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। बाबर के बाद इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम और न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे क्रमश−चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

बाबर और रिजवान दोनों ही बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की हालिया टी20आई श्रृंखला से बाहर हो गए। यह श्रीलंका के खिलाफ न्यूजीलैंड की श्रृंखला से डेवोन कॉनवे की अनुपस्थिति थी, जिसके कारण पाकिस्तान के कप्तान रैंकिंग के नवीनतम सेट पर एक स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर आ गए। इस जोड़ी को सूर्यकुमार पर पैठ बनाने का एक और मौका मिलेगा जब पाकिस्तान शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पांच मैचों की टी20 सीरीज शुरू करेगा।

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के कई खिलाड़ी जिन्होंने हाल ही में समाप्त हुई टी20आई श्रृंखला में भाग लिया, उन्हें उनके प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। श्रीलंका के कुसल मेंडिस (11 पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) और न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के टिम सीफर्ट (शीर्ष 100 से बाहर से 36वें स्थान पर) बल्लेबाजों के लिए टी20 रैंकिंग के नवीनतम सेट पर अन्य बड़े विजेता थे।

श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका के लिए मैच विजेता रहे युवा स्पिनर महेश तीक्शाना सबसे बड़े आकर्षण हैं क्योंकि 22 वर्षीय गेंदबाज करियर की उच्च रेटिंग और रैंकिंग में पांचवें स्थान के बराबर पहुंच गए हैं। उनके साथी वानिन्दु हसरंगा श्रृंखला के दौरान महंगे साबित हुए थे और टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में विधिवत रूप से दो स्थान गिरकर चौथे स्थान पर आ गए जिसके परिणामस्वरूप अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी (दूसरे) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (तीसरे) दोनों एक स्थान ऊपर आ गए हैं। टी20आई गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष दो में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान फारूकी से आगे हैं जो शीर्ष स्थान के लिए कड़ी दौड़ में है।

पीएमके विधायक ने की सीएसके पर प्रतिबंध की मांग

चेन्नई ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों के बीच में तमिननाडु में पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के एक विधायक एस पी वेंकटेश्वर ने अजीब सी मांग करते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार चेन्नई सुपर लीग (सीएसके) टीम पर प्रतिबंध लगाए। वेंकटेश्वर के अनुसार इस टीम में जब राज्य का कोई भी खिलाड़ी नहीं है तो यह कैसे सीएसके नाम से खेल रही है। इस नेता ने विधानसभा में कहा कि राज्य में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर सीएसके फ्रैंचाइजी ने अपनी 27 सदस्यीय टीम में एक भी खिलाड़ी को जगह नहीं दी है।

उन्होंने कहा कि सीएसके के नाम का इस्तेमाल कर फ्रैंचाइजी जमकर राजस्व कमा रही है पर उससे तमिलनाडु के खिलाड़ियों को कोई लाभ नहीं हुआ है। गौरतलब है कि पीएमके समय समय पर तमिलों से सम्बंधित मुद्दों को उठाती रहती है। वेंकटेश्वरन का यह बयान भी इसी को जोड़कर देखा जा रहा है। महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स 4 बार चैंपियन रही है। धोनी को उनके चाहने वाले प्यार से थाला कहते हैं तो इस बात की पूरी संभावना है कि वह इस सत्र के बाद संन्यास ले लेंगे।

आईपीएल में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट हुए हैं मनदीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के मैच में दोनों ही टीमों का एक-एक बल्लेबाज शून्य पर आउट हुआ। इस मैच में दिल्ली के कुलदीप यादव और मुंबई के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अपना खाता तक नहीं खोल पाये। वहीं टीम इंडिया से जुड़े मनदीप सिंह टी20 लीग में सबसे अधिक बार शून्य पर ही आउट हुए हैं।

आईपीएल में सूर्या अब तक विफल रहे हैं। इस सत्र के पिछले 2 मैच में भी वे आरसीबी के खिलाफ 15 और सीएसके के खिलाफ एक रन ही बना पाये। आईपीएल के आंकड़ों की बात करें तो सूर्या अब तक सात बार शून्य पर आउट हुए हैं। वहीं सबसे ज्यादा 0 बनाने का रिकॉर्ड मनदीप सिंह के नाम पर है। मनदीप इस टूर्नामेंट में अब तक 15 बार शून्य पर पेवेलियन लौटे हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और मुंबई इंडियंस के कप्?तान रोहित शर्मा हैं। कार्तिक और रोहित दोनों ही 14-14 बार 0 पर आउट हुए हैं।

दक्षिण अफीकी तेज गेंदबाज एनरिच नार्जे ने खेला 100 वां टी20 मैच

नई दिल्ली ।दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की ओर से आईपीएल खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिच नार्जे के टी20 क्रिकेट में 100 मैच पूरे हो गये हैं।नार्जे ने मुंबई इंडियंस (एमआई) की ओर से मैच में उतरते ही अपना सौवां मैच खेला।अपने 100वें टी20 मैच में नोर्त्जे ने चार ओवर में 35 रन हालांकि वह कोई विकेट नहीं ले पाए। वह 8.80 की इकॉनमी रेट से आउट हुए।उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान भी पांच रन बनाये।100 टी20 मैचों में नॉर्त्जे ने 19.97 की औसत और 7.38 की इकॉनमी रेट से 134 विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े दस रन देकर चार विकेट लेना रहा है।उन्होंने 31 टी20 मैचों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया है और 7.14 की इकॉनमी रेट से 38 विकेट लिए हैं।अब तक खेले 33 आईपीएल मैचों में उन्होंने 22.98 की औसत और 8.23 की इकॉनमी रेट से 45 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका तीन विकेट पर 33 रन सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा है।डीसी के लिए उनका सबसे अच्छा सीजन 2020 का था जिसमें उन्होंने 16 मैचों में 23.27 के औसत और 8.39 की इकॉनमी रेट से 22 विकेट लिए थे।वह टूर्नामेंट में चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज थे और डीसी के उप-विजेता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

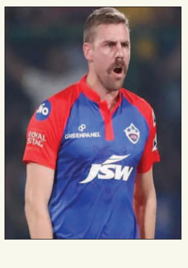

'अगर मौत आनी है, तो आनी है', भारत के एशिया कप के लिए पाकिस्तान ना जाने पर मियांदाद की तीखी टिप्पणी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जावेद मियांदाद ने आगामी एशिया कप के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने पर भारत की आपत्ति पर तीखी टिप्पणी की है। अघोषित रूप से पाकिस्तान को शुरू में टूर्नामेंट के मेजबानी अधिकार मिले, हालांकि संवेदनशील राजनीतिक माहौल के बीच बीसीसीआई ने स्पष्ट रूप से पड़ोसी देश का दौरा करने से इनकार कर दिया है।

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने पुष्टि की कि राष्ट्रीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी और यह भी कहा कि प्रतियोगिता तटस्थ स्थान पर आयोजित की जा सकती है। हालांकि नई रिपोर्ट्स के अनुसार पीसीबी ने एसीसी से भारत के मैचों को छोड़कर पाकिस्तान में खेलों की मेजबानी करने का आग्रह किया जो तटस्थ स्थान पर आयोजित किया जा सकता है। इस विवाद के बीच कई पूर्व क्रिकेटरों ने अपना पक्ष रखा है

जिसमें जावेद मियांदाद भी शामिल हो गए हैं।

मियांदाद ने एक पोडकास्ट में कहा, 'सुरक्षा को भूल जाइए। हम मानते हैं कि अगर मौत आनी है, तो आनी है। जिंदगी और मौत तो अल्लाह के हाथ में है।' अगर वे आज हमें बुलाएंगे, तो हम जाएंगे। लेकिन उन्हें भी लौट जाना चाहिए। बात पिछली बार की है लेकिन वे तब से यहां नहीं आए। अब उनकी बारी है।'

जहां एशिया कप के मेजबानी अधिकार को लेकर काफी विवाद है, वहीं आगामी वनडे विश्व कप के बारे में भी काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। पीसीबी ने भी धमकी दी थी कि अगर भारत ने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया तो वह मेगा वनडे प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगा। हालांकि टीम पाकिस्तान के भारत में अक्टूबर-नवंबर में आयोजित होने वाले मार्की इवेंट में भाग लेने की संभावना है और कोलकाता में प्रतिष्ठित ईडन गार्डन और चेन्नई में एमए चिदंबरम स्टेडियम कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच हाई-वोल्टेज स्थिरता की मेजबानी करने के लिए चुने गए दो स्थान हैं। लेकिन दोनों क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक इस संबंध में अपना आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

पूरे 22 लाख रुपये में बिके हैं ये खास जूते, बॉस्केट बॉल के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी से है जूतों का ताल्लुक

बेंगलुरु (एजेंसी)। अमेरिका के बास्केट बॉल के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी माइकल जॉर्डन के जूतों को सर्वाधिक दामों में बेचा गया है। इन जूतों को 11 अप्रैल को 22 लाख डॉलर में बेचा गया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इतनी अधिक कीमत पर अब तक कोई जूता नहीं बिका है। माइकल जॉर्डन के इन जूतों को पहनकर खेल भी चुके है।

जानकारी के मुताबिक ये जूते बेहद एतिहासिक है। इन जूतों को पहनकर साल 1998 के ह्क्क फाइनल (बॉस्केटबॉल चैंपियनशिप) के दौरान वो कोर्ट में उतरे थे। बता दें कि ये मुकाबला बेहद खास था क्योंकि ये एनबीए चैंपियनशिप का मुकाबला उनका छठा और अंतिम चैंपियनशिप खिताब का मुकाबला था।

बता दें कि एयर जॉर्डन 13 स्नीकर्स ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस संबंध में नीलामी करने वाली संस्था सोथबी ने जानकारी दी है कि वर्ष 1998 में माइकल ने एयर जॉर्डन 13 स्नीकर्स पहने थे जिन्हें हाल ही में 22 लाख डॉलर में बेचा गया है। इतनी अधिक कीमत पर बिकने वाला ये अपने आप में अनोखा रिकॉर्ड है।

इस संबंध में सोथबी ने कहा कि ये रिकॉर्ड काफी बड़ा है। इससे साफ है कि माइकल जॉर्डन स्पोर्ट्स मेमोरेबिलिया की मांग बेहतर प्रदर्शन करते हुए सभी अपेक्षाओं को पार कर रही है। बता दें कि इससे पहले सितंबर 2021 में 15 लाख रुपये में जूते बेचने का रिकॉर्ड बना था, जो अब टूट चुका है। इस संबंध में निलामी कंपनी सोथबी के कार्यकारी अधिकारी और संस्थापक गेरोप सैप ने कहा कि ये नया रिकॉर्ड है जो कि स्नीकर्स के इतिहास को और अधिक शक्तिशाली बनाता है। उन्होंने कहा कि जॉर्डन दुनिया भर में सर्वाधिक कीमत पर बिकने वाले स्नीकर्स में शुमार है। इसने स्नीकर्स उद्योग के लिए खास बाजार तैयार किया था। वर्तमान में यह सबसे मूल्यवान स्नीकर्स के लिए बाजार तैयार कर रहे हैं।'

बीसीसीआई ने विश्वकप के लिए रखे 12 मैच स्थल

-पाक को पसंदीदा मैच स्थल मिलने की संभावना नहीं

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस साल अपनी धरती पर होने वाले एकदिवसीया विश्वकप के लिए करीब एक दर्जन स्थल तैयार किये हैं। विश्वकप में दस टीमें भाग लेंगी।माना जा रहा है कि बीसीसीआई पाकिस्तान के सभी मैच कोलकाता और चेन्नई में मैच की मांग भी नहीं मानेगा।इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बीसीसीआई से मांग की थी कि उसके सभी मैच कोलकाता और चेन्नई में रखे जायें।वहीं बीसीसीआई ने आईसीसी टूर्नामेंट के लिए 12 स्थलों को अंतिम रुप दिया है। इसमें से हर स्थल पर 4 मुकाबले खेले जाने हैं।पहले पाकिस्तान के विश्वकप कप में भाग लेने पर संदेह जताया जा रहा था पर हाल ही में पीसीबी के प्रमुख नजम सेठी ने साफ कर दिया था कि उनकी टीम इस आईसीसी टूर्नामेंट में भाग लेगी।एक रिपोर्ट के अनुसार पाक टीम को किसी भी स्थल पर खेलना पड़ सकता है और बीसीसीआई उसकी पसंदीदा स्थल की मांग मानने को किसी भी प्रकार तैयार नहीं होगा।बीसीसीआई ने अहमदाबाद के अलावा चेन्नई, बेंगलुरु, दिल्ली, धर्मशाला, गुवाहाटी, हैदराबाद, लखनऊ, इंदौर, राजकोट, मुंबई और कोलकाता को विश्व कप मैच के लिए मैच स्थल के तौर पर रखा है।माना जा रहा है कि, दिल्ली में पाक टीम को अधिक मैच खेलने पड़ सकते हैं।इसमें प्रत्येक टीम को ग्रुप दौर में 9 मुकाबले खेलने हैं और विश्व कप में कुल 48 मुकाबले खेले जाने हैं। पीसीबी सितंबर में एकदिवसीय एशिया कप की मेजबानी कर रहा है और भारत के पाक जाने से इंकार करने के कारण पाक के भी विश्वकप में आने पर संदेश जता या जा रहा था। वहीं अब पीसीबी का कहना है कि उसने मैच स्थल को लेकर कोई मांग नहीं रखी है।वहीं आईसीसी की ओर से भी कहा गया है कि पाक की ओर से किसी खास तरह के स्थल की मांग नहीं की गई है।बीसीसीआई ने पहले ही कह दिया था कि वह किसी तटस्थ स्थल पर मुकाबले नहीं रखेगी।

आईपीएल में आरसीबी के ये रिकार्ड अब भी हैं बरकरार

नई दिल्ली ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 16 वें सत्र में कई तेज अर्धशतक लगे हैं पर अब तक कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया है।पंजाब किंग्स के शिखर धवन ने एक मैच में नाबाद 99 रन बनाये थे।आईपीएल के आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2013 में चैंलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बनाये करीब 4 रिकॉर्ड 9 सत्र के बाद भी नहीं टूट पाये हैं।ये रिकॉर्ड इस बार भी टूटने की संभावना नजर नहीं आ रही है।यह रिकॉर्ड हैं आईपीएल के एक मैच में सबसे अधिक रन, सबसे अधिक स्कोर, सबसे तेज शतक और सबसे अधिक छक्के लगाने का।आईपीएल 2013 में एक ही मैच में से सभी रिकॉर्ड बने थे।आरसीबी ने तब पुणे वॉरियर्स के खिलाफ ये रिकार्ड बनाये थे। पुणे अब आईपीएल का हिस्सा नहीं है।उस मैच में क्रिस गेल ने 175 रनों की तेज पारी खेली थी।इस मैच में गेल ने टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक भी बनाया था।उन्होंने शतक तक पहुंचने के लिए केवल 30 गेंदें लगी थीं।गेल ने इस पारी में 13 चौके और 17 छक्के लगाए थे।यह आईपीएल में किसी बल्लेबाज के एक पारी में सबसे अधिक छक्के का रिकॉर्ड भी है.

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप : अंतिम पंघाल फाइनल में, अंशु सहित तीन अन्य कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगे

अस्ताना (एजेंसी)। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल ने जवाबी हमले का शानदार नमूना पेश करते हुए बुधवार को यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के 53 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया जबकि अंशु मलिक जापान की साए नैंजो के रक्षण को तोड़ने में नाकाम रही और उन्हें अब कांस्य पदक के लिए भिड़ना होगा। पिछले साल अंडर 20 विश्व चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी 18 वर्षीय पंघाल ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को आसानी से हराया और फाइनल तक की राह में केवल एक अंक गंवाया।

पंघाल ने सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की अक्तेंग क्यूनिमजाएवा के खिलाफ चेतावनी मिलने के कारण एक अंक गंवाया लेकिन उन्होंने यहां मुकाबला आसानी से 8-1 से जीता। पंघाल ने अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर की सिआओ पिंग एलविना लिम के खिलाफ आसान जीत के साथ की और इसके बाद क्वार्टरफाइनल में चीन की ली डेंग को 6-0 से हराया। स्वर्ण पदक के लिए उनका मुकाबला 2021 की विश्व चैंपियन जापान की अकारी फुजिनामी से होगा जिन्होंने 2020 में सीनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा शुरू करने के बाद बमुश्किल ही कोई मुकाबला गंवाया होगा।

अंशु मलिक से 57 किग्रा भार वर्ग में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी लेकिन 2021 की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता यह भारतीय खिलाड़ी मौजूदा अंडर 23 विश्व चैंपियन नैंजो के खिलाफ अंक बनाने के लिए जूझती रही। जापानी पहलवान ने पहले पीरियड में आक्रामकता भी दिखाई जबकि अंशु को निष्क्रिय बने रहने के लिए एक अंक गंवाना पड़ा। नैंजो ने भी दूसरे पीरियड में निष्क्रियता के लिए अंक गंवाया लेकिन इसके बाद वह हावी हो गई और जब रेफरी ने मुकाबला रोका तब जापानी पहलवान 5-1 से आगे थी।

अंशु इस मुकाबले के दौरान चोटिल हो गई थी और अगर वह फिट रहती हैं तो कांस्य पदक के लिए मंगोलिया की एर्डेनेसुवद बैट एर्डीन से भिड़ेगी। इस बीच मनीषा (65 किग्रा), रीतिका (72 किग्रा) और सोनम मलिक (62 किग्रा) कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगी। सोनम को क्वार्टरफाइनल में मंगोलिया की ओरखोन प्योरवदोर्ज से हार गई थी लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने फाइनल में पहुंचने के बाद इस भारतीय खिलाड़ी को प्रतियोगिता में वापसी करने का मौका मिला। भारत ने प्रतियोगिता में अब तक छह पदक जीते हैं। इनमें चार पदक ग्रीको रोमन पहलवानों ने जीते हैं। मंगलवार को निशा दहिया (68 किग्रा) ने रजत और प्रिया (76 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता था।

अंडर-21 महिला हॉकी लीग : सिवाच अकादमी ने एचएआर को हराकर खिताब जीता

लखनऊ ।प्रीतम सिवाच फाउंडेशन हॉकी टीम ने खेलो इंडिया अंडर-21 महिला लीग टूर्नामेंट जीता है। फाउंडेशन टीम ने खिताबी मुकाबले में एचएआर हॉकी अकादमी को 2-0 से हराकर खिताब पर कब्जा किया।इस मुकाबले में तन्नु ने पहले क्वार्टर में एक मैदान गोल कर सिवाच टीम को बढ़त दिला दी।वहीं इसके बाद साक्षी राणा ने तीसरे क्वार्टर में पेनल्टी कार्नर पर एक गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया।साक्षी ने सबसे अधिक 8 गोल किये और वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी हैं।वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पोर्ट्स हॉस्टल ओडिशा ने कांस्य पदक वाले मुकाबले में साई बाल टीम को 3-1 से हराया।

महुवा तालुक के करचेलिया गांव की शशिकलाबेन नायक को पीएम आवास से स्थायी छत्रछाया मिली है

सूरत।

सालों से मिट्टी के घर में रहने वाली महुवा तालुक के करचेलिया गांव की शशिकलाबेन नायक का अपने मिट्टी के घर को पक्का, मजबूत घर में बदलने का सपना था. उनका सपना सच में तब साकार हुआ जब उनके घर को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मंजूरी मिली। जिला ग्राम विकास अभिकरण-सूरत द्वारा भवन निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की साप्ताहिक सहायता प्राप्त करने के बाद घर बनाने का कठिन कार्य उनके लिए आसान होने लगा। साथ ही मनरेगा योजनान्तर्गत 90 दिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिसमें आवास निर्माण हेतु श्रमिक के रूप में अलग से रू0 17620 प्राप्त हुए। सरकार की मदद से शशिकलाबेन जैसी आम महिला का घर बनाने का सपना साकार हो गया है।

शशिकलाबेन नायक बताती हैं कि, पहले मेरा घर मिट्टी का बना था। चूंकि घर मिट्टी से बना था और छत देशी पाइपों से ढकी हुई थी, भारी मानसूनी बारिश के दौरान घर के अंदर और आसपास पानी टपकता था। रहने में काफी परेशानी हुई। अब हर साल मानसून के मौसम में आने वाली दिक्कतों को पक्की इमारत बनाकर दूर कर दिया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि गांव की सरपंचश्री ने मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी दी. इसलिए प्रधान मंत्री आवास को भरत जिला ग्राम विकास एजेंसी-सूरत द्वारा अनुमोदित किया गया था। हमें पहली किश्त के तौर पर तीस हजार रुपये एडवांस मिले थे। भवन का कार्य प्रारंभ कर लिंटेल स्तर तक भवन की दूसरी किस्त के रूप में 50 हजार रुपये प्राप्त हुए। उसके बाद भवन का पूर्ण कार्य पूर्ण होने पर 40 हजार रुपये किश्तों में प्राप्त हुए। जिसमें मेरे पति रमेशभाई ने श्रम द्वारा बचाई गई पूंजी में से कुछ रुपये जोड़े और घर को और सुविधाजनक बना दिया।

सुसज्जित और सुसज्जित घरों के निर्माण से हमारे गाँव की समृद्धि में भी वृद्धि हुई है। पहले की कठिनाइयाँ अब समाप्त हो गई हैं। मेरे परिवार के लिए पीएम आवास और मनरेगा योजना एक वरदान है। उन्होंने हम जैसे गरीब-वंचित लोगों की देखभाल के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न योजनाओं के लाभ के लिए सरकार को धन्यवाद दिया।

शहर में 16 को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा-1 (टीईटी-1) की परीक्षा को लेकर जनप्रतिनिधि

सूरत।

गुजरात राज्य परीक्षा समिति, गांधीनगर द्वारा प्रदेश भर में आयोजित की जाने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा-1 (टीईटी-1) की परीक्षा दिनांक 16/4/2023 को सूरत शहर के 79 केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। शहर के पुलिस आयुक्त श्री अजय तोमर ने एक अधिसूचना के माध्यम से परीक्षा केंद्रों से 100 मीटर के क्षेत्र में कुछ प्रतिबंध लगाए हैं ताकि परीक्षा के दौरान छात्रों को परेशानी न हो और शांतिपूर्ण माहौल बना रहे। इसके अनुसार नगर क्षेत्र के 79 परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर के दायरे में चार से अधिक व्यक्तियों का एकत्र होना, बैठक या जुलूस निकालना, परीक्षा के दौरान ज़ेरॉक्स केन्द्र खुला रखना, वाहन खड़ा करना, परीक्षार्थी के भवन में कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र और परीक्षा से जुड़ा कोई भी कर्मचारी (सरकारी प्रतिनिधि) (छोड़कर) मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या संचार उपकरण या सिस्टम रखने या ले जाने पर प्रतिबंध। साथ ही परीक्षा केन्द्रों के स्थल प्रबंधक, शासकीय प्रतिनिधि एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को परीक्षा केन्द्र की ड्यूटी के दौरान अपना आई-कार्ड साथ रखना होगा। नहीं तो प्रवेश नहीं मिलेगा। यह आदेश परीक्षा में लगे कर्मचारियों और सरकारी नौकरी या रोजगार में सेवारत कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। आदेश दिनांक 16/4/2023 से प्रभावी होगा। उल्लंघन करने वाले दंड के भागी होंगे।

भारत का सबसे बड़ा फैशन स्टोर, ट्रेंड्स अब व्यारा में खुल गया है

सूरत भूमि, तापी । भारत की सबसे बड़ी और तेज़ी से बढ़ती एपेरल और एक्सेसरीज़ की रिलायंस रिटेल की स्पेशलिटी चेन, ट्रेंड्स ने गुजरात राज्य के तापी जिले में व्यारा शहर में अपने स्टोर के लांच की घोषणा की है।

ट्रेंड्स ने भारत में मेट्रो, मिनी मेट्रो, टियर 1, 2 शहरों और छोटे-छोटे कस्बों में ग्राहकों तक अपनी पहुंच और संपर्क को मजबूत कर फैशन को घर-घर पहुंचाया है और यह भारत की मनपसंद फैशन की जगह है।

व्यारा में ट्रेंड्स स्टोर को आधुनिक शैली से बनाया गया है और इसका माहौल भी शानदार है। यहां आपको बढ़िया क्वालिटी और फैशन का सामान किफायती दामों पर मिलेगा और ये खासियत इस क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बहुत पसंद आएगी।

इस शहर के ग्राहकों को मिलेगा शॉपिंग का विशिष्ट और शानदार अनुभव जहां वे महिलाओं, पुरुषों, बच्चों के कपड़े व फैशन का सामान आकर्षक कीमतों पर पाएंगे। 4365 वर्ग फुट में फैला यह स्टोर, जो कि व्यारा का पहला स्टोर है, अपने ग्राहकों को लांच के तहत बेहतरीन फैशन और जबरदस्त कीमतों पर दे रहा है खास ऑफर - 3999 की खरीदारी करें और पाएं आकर्षक उपहार 249 पर, इतना ही नहीं ग्राहकों को 2999 की खरीदारी पर मिलता है 2000 तक की कीमत का कूपन बिल्कुल मुफ्त।

ट्रेंड्स भारत का सबसे बड़ा और सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला फैशन का स्थान है जिसके मजबूत नेटवर्क में अलग-अलग चीज़ों के लिए 500 से भी ज़्यादा शहरों में 1500 से भी ज़्यादा स्टोर हैं। अपने हर ग्राहक की जरूरतों को पूरा करने के लिए पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की श्रेणी में इसके 100 से भी ज़्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अपेरल और एक्सेसरीज़ ब्रांड्स के साथ-साथ अपने स्वयं के 20 ब्रांड हैं।

रिलायंस ट्रेंड्स के अपने स्वयं के ब्रांड्स में अवासा है जिसमें आपको महिलाओं के लिए सलवार कुर्ता सेट, चूड़ीदार सेट का बेहतरीन कलेक्शन देखने को मिलता है, इसके अलावा रियो है जिसमें युवतियों द्वारा पसंद की जाने वाली कपड़ों की मिक्स - एन - मैच रेंज देखने को मिलती है, इसके अतिरिक्त फिग नाम का एक ब्रांड है जिसमें समझदार, स्वतंत्र और कामकाजी महिलाओं की फैशन से जुड़ी जरूरतों को पूरा किया जाता है। फ्यूज़न - एक ऐसा ब्रांड जिसमें आपको महिलाओं के लिए पश्चिमी और पूर्वी शैली के आरामदायक कपड़ों की रेंज देखने को मिलती है। नेटवर्क - इस रेंज में पुरुषों और महिलाओं के लिए ऑफिस में पहने जाने वाले फॉर्मल कपड़ों की रेंज देखने को मिलती है। नेटप्ले - इस रेंज में युवाओं के लिए ऑफिस में पहने जाने वाले स्मार्ट कैजुयल कपड़ों का कलेक्शन देखने को मिलता है।

गुजरात के इतिहास में पहली बार महिला उन्मुख योजनाओं का बजट 1 लाख करोड़ रुपए के पार : मुख्यमंत्री

भूपेंद्र पटेल ने फिक्की महिला संगठन की महिला उद्यमियों के साथ किया वार्तालाप

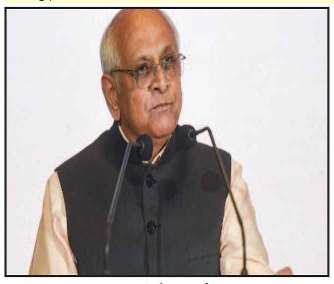

सूरत । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के साथ ही नारी सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा है और इस वर्ष राज्य के इतिहास में पहली बार महिला उन्मुख योजनाओं का बजट 1 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है। मुख्यमंत्री ने यह बात बुधवार को गांधीनगर में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की महिला शाखा फिक्की महिला संगठन (एफएलओ) की महिला उद्यमियों के साथ बातचीत में कही। मुख्यमंत्री ने फिक्की महिला संगठन की महिला उद्यमियों को गांधीनगर में मुख्यमंत्री आवास पर आमंत्रित कर उनके साथ सहज संवाद-वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन किया था। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने समाज के विभिन्न वर्गों, राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों और सरकार के अदने सेवक यानी कर्मयोगियों के साथ संवाद गोष्ठी की शृंखला की एक अभिनव परंपरा शुरू कर सभी को 'अपने भूपेंद्रभाई' के रूप में अपनेपन की अनुभूति कराई है। इसी शृंखला में उन्होंने इन महिला उद्यमियों को मुख्यमंत्री निवास स्थान पर आमंत्रित कर बातचीत और संवाद के माध्यम से उनके अनुभव और उद्योग क्षेत्र में महिला शक्ति के योगदान के विषय में जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इन महिला उद्यमियों से कहा कि इस वर्ष के बजट में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन सहित 200 से अधिक योजनाएं केवल महिलाओं के लिए हैं। उन्होंने इस संदर्भ में यह भी कहा कि राज्य सरकार ने महिला स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने का दृष्टिकोण अपनाया है। एफएलओ की महिला उद्यमियों ने भी उन्हें राज्य सरकार की ओर से मिल रहे सहयोग सहित अपने अन्य अनुभवों के बारे में बताया।

सोशल मीडिया के लिए रील बनाने की लालच देकर युवक ने किशोरी से किया दुष्कर्म

सूरत।

शहर के लिंबायत क्षेत्र में रहनेवाली एक नाबालिग लड़की को सोशल मीडिया के लिए रील बनाने की लालच देकर उसी की सोसायटी में रहनेवाले युवक ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद युवक ने उसे धमकी दी कि अगर किसी को कुछ बताया तो जान से मार देगा। पीड़ित किशोरी ने बीते दिन लिंबायत पुलिस थाने में आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के लिंबायत क्षेत्र की एक सोसायटी में रहनेवाले सागर उर्फ कार्तिक विनोद पाटील नामक युवक अपनी ही सोसायटी में रहनेवाली एक नाबालिग लड़की को उसके मोबाइल पर हर रोज नए नए वीडियो भेजता था। नए नए वीडियो देख किशोरी उससे प्रभावित हुई और सागर से दोस्ती के साथ दोस्ती कर ली। दोस्ती के बाद सागर उसे सोशल मीडिया के लिए रील बनाने की लालच देने लगा। एक दिन सागर किशोरी को लेकर सूरत के डिंडोली की ब्लैक बर्ड नामक एक होटल में ले गया। जहां उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। दुष्कर्म के बाद सागर ने किशोरी को धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा। इससे पहले दिसंबर 2022 में भी सागर किशोरी को ब्लैक बर्ड होटल में ले गया था और उसके साथ दुष्कर्म किया था। पीड़ित किशोरी ने बीते दिन लिंबायत पुलिस थाने में सागर उर्फ कार्तिक विनोद पाटील के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने सागर उर्फ कार्तिक के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म का केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की।

एएम/एनएस इंडिया ने स्मार्ट आंगनवाड़ी विकसित की है

स्मार्ट आंगनवाड़ी छोटे बच्चों को उनकी सीखने और विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करती है

हजीरा-सूरत।

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने हजीरा गांव में एक स्मार्ट आंगनवाड़ी विकसित की है जो आधुनिक शैक्षिक उपकरण और सीखने के लिए एक पूरक वातावरण प्रदान करती है। गुजरात सरकार और एएम/एनएस इंडिया की संयुक्त परियोजना 'फेगा भारत परियोजना' के तहत पुनर्विकसित आंगनवाड़ी का सोमवार को उद्घाटन किया गया।

ये स्मार्ट आंगनवाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा संचालित सामान्य बाल विकास केंद्रों से अलग हैं। यह स्मार्ट टच पैनल के साथ छोटे बच्चों के लिए रोचक शिक्षण सामग्री प्रदान करता है। यह चमकीले रंग की दीवारों, कार्टून चरित्रों, पक्षियों और जानवरों पर अच्छा दिखता है। आंगनबाड़ियों में स्वस्थ खाने की आदतों और हाथ धोने की उचित प्रथाओं को दर्शाने वाले चार्ट भी लगाए गए हैं। इसके अलावा गुजराती और अंग्रेजी अक्षर, 1 से 100 तक की संख्या, महीनों के नाम, गुजराती गाने दिखाने वाले चार्ट भी रखे गए हैं। केंद्र विभिन्न खिलौनों और पहेली पुस्तकों से सुसज्जित है और इसमें एक जल शोधक, नया शौचालय ब्लॉक और एक उन्नत रसोईघर भी है। इस आंगनवाड़ी का उद्घाटन एएम/एनएस इंडिया, मानव संसाधन संचालन प्रमुख, आईआर और प्रशासन डॉ. अनिल मट्टू, शिक्षा निरीक्षक हिमांशु बरोट व चोर्यासी तालुका विकास अधिकारी जैमिनीबेन पटेल ने किया.

एएम/एनएस इंडिया मानव संसाधन संचालन, आईआर और प्रशासन के प्रमुख डॉ. अनिल मट्टू कहते हैं, 'स्थानीय समुदाय के हित में हजीरा में स्मार्ट आंगनवाड़ी की शुरुआत करते हुए हमें खुशी हो रही है। एएम/एनएस इंडिया के महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्रों में शिक्षा और बाल विकास शामिल हैं। हम आंगनबाड़ियों और सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं और उनकी जरूरतों के मुताबिक योजना बनाते हैं। इस तरह की नई व्यवस्था छोटे बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ क्षेत्र की स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों को भी पूरा करेगी।'

इस मौके पर एएम/एनएस इंडिया ने सभी बच्चों को एजुकेशनल किट बांटे। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में चोरयासी के सीडीपीओ जस्मीन बेन, हजीरा सरपंच मधुभाई पटेल, उप सरपंच रोहित पटेल, चोरयासी तालुका पंचायत सदस्य सतीश पटेल, एएम/एनएस इंडिया क्लस्टर एचआर प्रमुख- लक्ष्मण अय्यर, एएम/एनएस इंडिया लीड सीएसआर किरण सिंह शामिल थे। सिंधा, स्थानीय ग्रामीण एवं एएम/एनएस इंडिया के कर्मचारी उपस्थित थे।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने कि सूचना
(साधारण प्रारूप) न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जौनुपर उ. प्र.
मु.नं. 730 सन् 2022 धारा 128 सीआर.पी.सी. थाना कोतवाली जौनपुर

संजू साहू बनाम पंकज गुप्ता बनाम पंकज गुप्ता उ.त. 35 साल पुत्र संग्राम गुप्ता निवासी रामनगर थाना सिकरारा जनपद जौनपुर हाल मुकाम पता पंकज किराना स्टोर कैलाश नगर प्लैट नंबर 275 बी.आर सी रोड उधना सूरत गुजरात (विपक्षी)

चुकि उपर नामाकिंत ने इस न्यायलय में यह आवेदन किया जाता है कि अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती जाति कि आपको आवेदन के खिलाफ संवागित करन के लिये स्वय या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधि वक्ता द्वारा सज्जात द्वारा ही ऐसा करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षी सुना और अवध रित किया जायेगा ।

तारीख पेशी 14-04-2023
आपत्ति / निस्तारण
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित निकाली गयी
(न्यायालय)

इनोवेशन फंड अपने पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए इनोवेशन का लाभ उठाना: जिग्नेश माधवानी, निदेशक, टोरिन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

ज्यादातर निवेशक विशेषकर इक्विटी में निवेश के लिए हमेशा नए और ज्यादा न चले हुए व नए अवसरों की तलाश में रहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अभिनव रणनीतियां अभूतपूर्व तरीके से पोर्टफोलियो रिटर्न को बढ़ावा देती हैं। यहीं पर इनोवेशन आधारित म्यूचुअल फंड प्रासंगिक हो जाता है। तो, वास्तव में यह क्या है और एक निवेशक इससे कैसे लाभान्वित हो सकता है?

इनोवेशन दक्षता को बढ़ावा देने के लिए नए विचारों को अपनाने और लागू करने की क्षमता है। यहां विशुद्ध रूप से टेक्निकल होने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि, यह पहिये के आविष्कार जितना सरल हो सकता है या डीएनए री-अरेंजिंग जैसा कुछ जटिल हो सकता है। इनोवेशन मौलिक नवाचार से, मौजूदा उत्पाद या प्रणाली को एक ब्रांड के नए के साथ बदलने में सक्षम से लेकर भारी बदलाव लाने वाले बदलाव समेत विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत आ सकता है, जो नए और किफायती समाधान का निर्माण करता है। इसके अलावा, इंक्रीमेंटल इनोवेशन में मौजूदा उत्पादों और सेवाओं को अपग्रेड किया जाना शामिल है।

आज के समय में, निरंतर नवीन उपायों के बिना दुनिया भर में व्यवसाय स्थायी रूप से विकसित नहीं हो सकते हैं। बढ़ती लागत और सिकुड़ते संसाधनों के बीच तेजी से बदलती उपभोक्ता आदतों जैसे कारक नवाचार को एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता बनाते हैं। पूरे इतिहास में, नवाचार अस्तित्व की कुंजी रहा है और यह कहने की जरूरत नहीं है कि नई खोज वाली कंपनियों ने जैविक विकास के मामले में अपने गैर-नवाचारी समकक्षों को पीछे छोड़ दिया है, जिससे निवेशकों को धन सृजन के बेहतर अवसर मिलते हैं।

स्टार्ट-अप्स के यूनिकॉर्न्स में बदलने की अधिकता को देखते हुए, यह इस तथ्य पर जोर देता है कि नवाचार किसी भी मोड़ पर हो सकता है। आज, बिजली, फार्मास्यूटिकल्स और स्वास्थ्य सेवा, एफएमसीजी, ऑटो, कृषि रसायन, तकनीकी सेवाओं, ऑटो सहायक, दूरसंचार और वित्तीय सेवाओं सहित बोर्ड भर के क्षेत्र मजबूत नवाचार का संकेत दे रहे हैं, जो निवेशकों को एक उत्कृष्ट निवेश अवसर प्रदान कर रहे हैं।

एक विषय के रूप में नवाचार पर आधारित, म्युचुअल फंड की पेशकश इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए है, जिसमें मौजूदा और आगामी दोनों ही उत्पाद शामिल हैं। ऐसी ही एक पेशकश आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इनोवेशन फंड है जिसका उद्देश्य घरेलू और साथ ही वैश्विक अभिनव कंपनियों के शेयरों में निवेश करके इन अवसरों से लाभ उठाना है। यह न केवल निवेशकों के पोर्टफोलियो में मूल्य जोड़ देगा बल्कि लंबी अवधि में रिटर्न को भी बढ़ावा देगा। नई-नई कंपनियों में निवेश कर पूंजी में वृद्धि चाहने वाले निवेशक इस योजना पर विचार कर सकते हैं।

कुत्ते के काटने पर एंटी रैबीज का इंजेक्शन ना लगवाना वृद्ध को पड़ा महंगा

सूरत।

शहर में आवारा कुत्तों का आतंक रुकने का नाम नहीं ले रहा। कुत्ते के काटने से एक और मौत हो गई। सूरत के नए सिविल अस्पताल में उपचार के दौरान एक वृद्ध ने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक सूरत के एक वृद्ध को चार महीने पहले आवारा कुत्ते ने काट लिया था। कुत्ते के काटने के बाद एंटी रैबीज इंजेक्शन लेना अनिवार्य होता है। लेकिन वृद्ध इंजेक्शन नहीं लगवाया। समय पर इंजेक्शन ना लगाए जाने से वृद्ध को रैबीज की बीमारी लग गई। दो दिन पहले इसका असर दिखने पर वृद्ध को सूरत के नए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान वृद्ध ने दम तोड़ दिया। इसलिए जरूरी है कि कुत्ते के काटने पर सबसे पहले एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगवाएं। टिटनेस का इंजेक्शन घाव ठीक करने के लिए नहीं होता बल्कि एक वैक्सीन की तरह काम करता है। कुत्ते के काटने से सूरत में मौत की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले पिछले महीने सूरत के भेस्तान क्षेत्र में कुत्तों के झुंड ने 6 साल बच्चे पर हमला कर दिया। कुत्तों के झुंड ने बच्चे को बुरी तरह नोंच लिया था। गंभीर हालत में बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मार्च महीने में सूरत के खजोद क्षेत्र में रहने वाली 2 वर्ष की बच्ची को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया था। कुत्तों के हमले में बुरी तरह से घायल बच्ची की भी उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)